■ वैशाख कृष्ण - 1 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 265 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 24-04-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस ने हमेशा सनातन व हिंदुत्व को कमजोर करने का काम किया : स्मृति ईरानी

6 कम मतदान में भी मोदी की किस्मत फिर चमकेगी?

7 दल बदल कानून को मजबूत किया जाए, चुनाव में मुफ्त के उपहार खत्म हों : नायडू

फर्स्ट टेक

भारत ने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया

बालासोर (ओडिशा)/भाषा। भारत ने मंगलवार को यहां सामरिक बल कमान के तहत मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल के एक नए संस्करण का सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि परीक्षण ने नई प्रौद्योगिकियों के साथ मिसाइल की अभियानगत क्षमता को साबित किया है। मंत्रालय ने कहा, ''23 अप्रैल को सामरिक बल कमान के तहत मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल के नए संस्करण का सफल परीक्षण किया गया।'' इसने एक संक्षिप्त बयान में कहा, परीक्षण ने कमान की अभियानगत क्षमता को साबित किया है और नई प्रौद्योगिकियों को मान्य बनाया है। यह पता चला है कि यह मिसाइल 'अग्नि' श्रेणी की हथियार प्रणालियों से संबंधित नहीं है।

ब्रिटिश संसद ने पारित किया रवांडा निर्वासन विधेयक

लंदन/एजेन्सी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने मंगलवार को कहा कि संसद ने विवादास्पद रवांडा निर्वासन विधेयक पारित कर दिया है। इस विधेयक के पारित होने के बाद सरकार को पूर्वी अफ्रीकी राष्ट्र की ओर से अवैध रूप से ब्रिटेन में प्रवेश कर शरण मांगने वाले लोगों को रवांडा भेजने की अनुमति मिल जाएगी। हाउस ऑफ लॉर्ड्स द्वारा प्रस्तावित संशोधनों को वापस लेने के बाद विभाजनकारी विधेयक को सोमवार रात मंजूरी प्रदान की गई। सुनक ने कहा, इस ऐतिहासिक कानून का पारित होना सिर्फ एक कदम आगे नहीं है बल्कि यह आव्रजन पर वैश्विक समीकरण में एक बुनियादी बदलाव है। इस कानून के पारित होने से हमें ऐसा करने की अनुमति मिलेगी और यह स्पष्ट हो जाएगा कि अगर आप अवैध रूप से यहां आते हैं, तो आप यहां नहीं रह पाएंगे।

दुबई में हवाई अड्डे का परिचालन बहाल : सीईओ

दुबई/भाषा। अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डा दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का परिचालन बहाल हो गया है और यह पूरी क्षमता के साथ काम कर रहा है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह घोषणा की। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक सप्ताह पहले भारी बारिश और बाढ़ से हवाई अड्डे पर परिचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ था। पिछले मंगलवार की शाम से हजारों हवाई यात्री पानी से भरे दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे हुए थे। भारी बाढ़ के कारण सड़कें नदियों में बदल गई थीं और इस कारण हवाई अड्डे के लिए आवागमन 'असंभव' हो गया था। 'दुबई एयरपोर्ट्स' ने बयान में कहा, संयुक्त अरब अमीरात में 75 वर्षों में हुई सबसे भारी वर्षा के बाद दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (डीएक्सबी) परिचालन को बहाल करने और सामान्य बनाने में अच्छी प्रगति कर रहा है।

सूर्यास्त	सूर्योदय
24-04-2024 5:50 बजे	25-04-2024 6:22 बजे

BSE	NSE
73,738.45 (+89.84)	22,368.00 (+31.60)

सोना	चांदी
7,651 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	90,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बक-झक

इक दूजे को देते धत्ता,
करते नित प्रति चिक चिक हैं।
आरोपों प्रत्यारोपों से,
करते केवल झिक झिक हैं।
गोल नहीं होता है उनसे,
मार रहे कोरी किक हैं।
कहते हैं वे स्वस्थ स्वयं को,
पर सचमुच में वे सिक हैं।।

भ्रष्टाचार छिपाने के लिए हिंसा को बढ़ावा देती रही कांग्रेस : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धमतरी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह अपना भ्रष्टाचार छिपाने के लिए हिंसा को बढ़ावा देती रही है। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत धमतरी जिले के श्यामतराई गांव में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राज्य की जनता से वादा किया कि वह माओवाद और नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करके रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस जब भी सत्ता में आई है उसने विकास को पटरी से उतारने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विकास साथ-साथ चल ही नहीं सकते हैं, कांग्रेस जहां-जहां सरकार में रही वहां हिंसा और भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया। उन्होंने कहा, कांग्रेस जब तक पूर्वोत्तर में रही, वहां हिंसक गतिविधियां शांत नहीं हो पा रही थीं। कांग्रेस के छत्तीसगढ़ में सत्ता में रहने के दौरान नक्सली, माओवादी हिंसा बढ़ती रही। कांग्रेस और हिंसा का कौन सा नाता है, कौन सा कनेक्शन है, जवाब है भ्रष्टाचार। अपना भ्रष्टाचार छिपाने के लिए कांग्रेस हिंसा को बढ़ावा देती रही है। उन्होंने कहा कि लोग जान गंवाते रहे लेकिन कांग्रेस अपनी तिजोरी भरने में लगी रही।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार और नक्सली हिंसा, दोनों को काबू में किया है और अब छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद तेजी से कम हो रहा है। मोदी ने कहा, मैं छत्तीसगढ़ को गारंटी देता हूं कि माओवाद और नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करके रहूंगा। मैं हर माता को आश्वासन देता हूं कि आपके बच्चों की जिंदगी बर्बाद नहीं होने दूंगा, उन्हें बंदूक लेकर जंगलों में भटकने का आदि नहीं बननू दूंगा। मैं बच्चों की रक्षा के लिए हर मां से वादा करता हूं कि माओवाद और नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकूंगा।

'देश में यूसीसी लागू होना तय है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा (राजस्थान)/भाषा। राजस्थान के मंत्री मदन दिलावर ने मंगलवार को कहा कि देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होना तय है और किसी के लिए चार महिलाओं से शादी करना और 25 बच्चे पैदा करना तथा सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना संभव नहीं होगा। यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दिलावर ने यह भी कहा कि कांग्रेस दुनिया की सबसे भ्रष्ट पार्टी है।

प्रदेश के शिक्षा मंत्री ने कहा, इस चुनाव के बाद देश में समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी...वह दिन दूर नहीं जब एक पुरुष के लिए चार महिलाओं से शादी करना और 25 बच्चे पैदा करना तथा अल्पसंख्यक समुदाय से होने का दावा करके सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना संभव नहीं होगा।

भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दिलावर ने आरोप लगाया कि केंद्र में अपनी सरकार के दौरान पार्टी हर साल लोगों का लगभग 25 लाख करोड़ रुपये अवैध रूप से हड़प लेती थी। उन्होंने कहा कि पहले सरकार द्वारा एकत्रित कुल कर केवल पांच लाख करोड़ रुपये था, लेकिन अब केवल जीएसटी के माध्यम से 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर एकत्र किया जाता है और सभी करों को मिलाकर 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक एकत्र होने का अनुमान है।

दिलावर ने आरोप लगाया, ''तो सवाल यह है कि कांग्रेस के शासन में करीब 25-30 लाख करोड़ रुपये का क्या हुआ...ये कांग्रेसी अपने कार्यकाल में हर साल 25 लाख करोड़ रुपये डकार जाते थे।''

केजरीवाल, कविता की न्यायिक हिरासत सात मई तक बढ़ी

नई दिल्ली/एजेन्सी। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने आबकारी नीति 2021-22 कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मुकदमे में तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत मंगलवार को सात मई तक के लिए बढ़ा दी। राऊज एवेन्यू स्थित काबेरी बावेजा की विशेष अदालत संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आम आदनी पार्टी नेता केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ाने संबंधी आदेश पारित किया। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से संबंधित मामलों की विशेष जज काबेरी बावेजा ने आबकारी नीति से संबंधित मामले की आरोपियों में शामिल भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता और एक अन्य आरोपी चनप्रीत सिंह की न्यायिक हिरासत भी 7 मई तक बढ़ाने का आदेश दिया। केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री केजरीवाल समेत तीनों आरोपियों की न्यायिक हिरासत पूरी होने के बाद वर्चुअल माध्यम से विशेष अदालत में पेश किया।

देश में 'शरिया कानून' लागू करना चाहती है कांग्रेस : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरोहा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में देश में 'शरिया कानून' लागू करने और जनता की सम्पत्ति का बंटवारा करने की मंशा जाहिर की है।

योगी ने अमरोहा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने देश के साथ गद्दारी की है और एक बार फिर गद्दारी करने के लिए अपने झूठा घोषणा पत्र के साथ आपके पास आए हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, कांग्रेस के घोषणा पत्र को देखें। वह कहते हैं कि अगर हमारी सरकार बनी तो हम 'शरिया कानून' लागू कर देंगे। आप बताओ यह देश बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान से चलेगा या किसी शरीयत से चलेगा?'' उन्होंने कहा, कांग्रेस के लोग अपने घोषणा पत्र में इस बात की चर्चा करते हैं कि हम व्यक्तिगत कानून यानी शरिया कानून को लागू करेंगे क्योंकि मोदी ने तीन तलाक की प्रथा को रोक दिया। वह कहते हैं कि हम फिर से व्यक्तिगत कानून (पर्सनल लॉ) को बहाल करेंगे।

योगी ने आरोप लगाया, कांग्रेस के घोषणापत्र में कहा गया है कि वे जनता की संपत्ति को लेकर उसका बंदरबांट करेंगे। क्या आप कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को अपनी संपत्ति पर डकैती डालने की छूट देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, एक तरफ आपकी संपत्ति पर उनकी कोई दृष्टि है और दूसरी तरफ माफिया और अपराधियों को अपने गले का हार बनाकर कैसे उनके नाम पर फातिहा पढ़ रहे हैं।

आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की वर्ष 2006 में की गई एक टिप्पणी का जिक्र करते हुए आरोप लगाया, डॉ. मनमोहन सिंह जब प्रधानमंत्री थे, उस समय उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार मुसलमानों का है।

दवाओं के 'भ्रामक' विज्ञापनः

पतंजलि के साथ ही आईएमए पर भी उच्चतम न्यायालय ने उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ शीर्ष अदालत ने बड़ी संख्या में फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनियों को जांच के दायरे में लेने का फैसला किया

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने दवाओं के 'भ्रामक' मामले में पतंजलि आयुर्वेद के साथ-साथ इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) पर भी सवाल उठाए हैं और उसे अपने अंदर भी झांकने की नसीहत दी है।

न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने अदालती अवमानना मामले में योग गुरु बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण से माफीनामे से संबंधित विज्ञापन को उनके कथित भ्रामक विज्ञापन के आकार से जोड़ते हुए सवार पूछे।

पीठ ने पतंजलि के खिलाफ इस मामले के याचिकाकर्ता आईएमए को भी खुद के अंदर झांकने की नसीहत दी और इसके अपने सदस्यों के लिए अत्यधिक महंगी और विदेशी दवाओं को निर्धारित करने की अनैतिक गतिविधियों पर भी विचार किया।

शीर्ष अदालत ने बड़ी संख्या में फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनियों को जांच के दायरे में लेने का फैसला किया और कहा कि वे भ्रामक विज्ञापनों के जरिए शिशुओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों सहित अन्य उपभोक्ताओं को कथित तौर पर धोखा दे रही हैं।

शीर्ष अदालत ने एफएमसीजी कंपनियों द्वारा जारी विज्ञापनों पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से से भी कई सवाल भी पूछे। अदालत ने केंद्र सरकार से 2018 से (एफएमसीजी कंपनियों द्वारा भ्रामक विज्ञापनों के लिए) सूचना और प्रसारण मंत्रालय और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा की गई कार्रवाईयों के बारे में बताते हुए एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा, हम स्पष्ट करना चाहते हैं... हम यहां किसी खास (पक्षकार) का पक्ष नहीं लेने आए हैं। हम जानना चाहते हैं कि एजेंसियां कैसे काम कर रही हैं... हमें लगता है कि यह कानून के शासन की प्रक्रिया का हिस्सा है।

पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी, बलबीर सिंह और प्रस्तावित अवमाननाकर्ताओं की ओर से पेश अन्य अधिवक्ताओं (बाबा रामदेव और अन्य) ने कहा कि उन्होंने इस मामले में देशभर के 67 अखबारों में बिना शर्त माफी मांगने के लिए एक विज्ञापन जारी किया है। इस पर पीठ ने उनसे पूछा कि क्या यह माफी (वाला विज्ञापन) भ्रामक विज्ञापनों के बराबर है? इसके बाद उन्हें विज्ञापन से संबंधित मूल समाचार पत्र दाखिल करने की अनुमति दी गई।

शीर्ष अदालत ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज से (केंद्र सरकार से) यह भी पूछा कि उसने 29 अगस्त 2023 को सभी राज्यों के लाइसेंसिंग प्राधिकारी को एक पत्र क्यों जारी किया है? पीठ ने सरकार के वकील से पूछा, क्या यह मनमाना और दिखावटी प्रयास नहीं है? पीठ ने आईएमए की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पी एस पटवालिया से पूछा, आप अपने सदस्यों (जो दवाएं लिख रहे हैं) के साथ क्या कर रहे हैं ? हमें आप पर सवाल क्यों नहीं उठाना चाहिए? आप अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते।

विदेश मंत्री जयशंकर का दावा

संप्रग सरकार ने मुंबई हमलों के बाद कोई सैन्य कार्रवाई नहीं की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को दावा किया कि पिछली संप्रग सरकार ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद यह कहते हुए कुछ नहीं करने का फैसला किया कि पाकिस्तान पर हमला नहीं करने की तुलना में उस पर हमला करना अधिक महंगा (साबित) होगा।

भारत को 'ग्लोबल साउथ' (जिसमें लगभग 125 देश शामिल हैं) की आवाज बताते हुए उन्होंने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' के देश दुनिया में अपने मुद्दों और पदों को लेकर भारत पर भरोसा करते हैं।

'विदेश नीति भारत का रास्ता: संदेह से विश्वास तक' विषय पर एक सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि देश का उन कुछ देशों के प्रति नैतिक दायित्व है, जो औपनिवेशिक शासन के अधीन थे और भारत की तरह शीघ्रता से उबर नहीं सके, पुनर्निर्माण नहीं कर सके। उन्होंने कहा, हम ग्लोबल साउथ की आवाज हैं, जो दुनिया के लगभग 125 देशों में से एक है। ये देश अपने मुद्दे, दुनिया में अपनी स्थिति को लेकर भारत पर भरोसा करते हैं।

ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है।

युद्धों को रोकने के लिए सैन्य शक्ति, क्षमताएं आवश्यक : सेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ आर्थिक शक्ति राष्ट्र के विकास का स्रोत है, वहीं सैन्य ताकत इसे परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता प्रदान करती है जो देश के विविध हितों की रक्षा के लिए आवश्यक है।

नई दिल्ली/भाषा। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने वर्तमान भू-रणनीतिक परिदृश्य में ''अभूतपूर्व'' पैमाने व गति से बदलाव होने का उल्लेख करते हुए मंगलवार को कहा कि युद्धों को रोकने के लिए सैन्य ताकत और क्षमताएं जरूरी हैं।

हाल के भू-राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन ने दिखाया है कि जहां राष्ट्रीय हितों का सवाल है, देश युद्ध लड़ने से ''संकोच नहीं'' करेंगे। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि इन घटनाक्रमों ने सैन्य शक्ति के महत्व की फिर से पुष्टि की है।

सेना प्रमुख ने एआईएमए राष्ट्रीय नेतृत्व संगोष्ठी में भाग लिया और 'सैन्य शक्ति : आत्मनिर्भरता के माध्यम से बलों का आधुनिकीकरण' विषय पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र का समग्र उत्थान तब हो सकता है जब उसकी व्यापक राष्ट्रीय शक्ति में उल्लेखनीय और निरंतर वृद्धि होती है। सेना प्रमुख ने कहा कि आर्थिक शक्ति राष्ट्र के विकास का स्रोत है, वहीं सैन्य ताकत इसे परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता प्रदान करती है जो देश के विविध हितों की रक्षा के लिए आवश्यक है।

चेवेल्ला लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार विश्वेशवर रेड्डी के पास 4568 करोड़ की संपत्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना की चेवेल्ला लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार के. विश्वेश्वर रेड्डी 4568 करोड़ रुपए की पारिवारिक संपत्ति की घोषणा के साथ राज्य के सबसे धनी उम्मीदवारों में से एक बनकर उभरे हैं। उनके द्वारा निर्वाचन अधिकारियों को दिए गए हलफनामे से यह जानकारी सामने आई। रेड्डी ने सोमवार को लोकसभा क्षेत्र के लिए अपना नामांकन दाखिल किया और देनदारियों के साथ अपनी चल और अचल संपत्ति की घोषणा की।

रेड्डी के पास अपोलो हॉस्पिटल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के 17.77 लाख शेयर हैं, जिनकी कीमत 6170 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से 973.22 करोड़ रुपए है, जबकि उनकी पत्नी संगीता रेड्डी के पास 1500.85 करोड़ रुपए के 24.32 लाख शेयर हैं।

संगीता रेड्डी अपने पिता डॉ. सी. प्रताप रेड्डी द्वारा स्थापित अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप की संयुक्त प्रबंध निदेशक हैं।

हलफनामे के मुताबिक, रेड्डी के पास 1250 करोड़ रुपए की संपत्ति है जबकि पत्नी के पास 3209.41 करोड़ की संपत्ति है और बाकी संपत्ति उनके बेटे के नाम है। विश्वेश्वर रेड्डी ने अपना राजनीतिक सफर भारत राष्ट्र समिति (तब टीआरएस) से शुरू किया और चेवेल्ला से सांसद बने। उन्होंने पार्टी छोड़ दी और कांग्रेस में शामिल हो गए और 2019 का आम चुनाव लड़ा लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। बाद में वह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए।

पाकिस्तान, ईरान ने किया आतंकवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/एजेन्सी। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान और ईरान ने सोमवार को सैद्धांतिक रूप से अपने-अपने देशों में आतंकवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है।

मंत्रालय ने देर रात जारी एक बयान में कहा कि यह निर्णय पाकिस्तानी आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी के साथ उनके ईरानी समकक्ष अहमद वाहिदी और ईरान के न्याय मंत्री अमीन-होसैन रहीमी के बीच एक बैठक में लिया गया।

मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्ष आपसी समर्थन में सुधार लाने और खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान के साथ-साथ आतंकवादी खतरे से निपटने के लिए एक संयुक्त कार्य योजना पर सहमत हुए। बयान में कहा गया कि इस संबंध में जल्द से जल्द एक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने का निर्णय लिया गया। बयान के अनुसार, दोनों पक्ष एक-दूसरे के देश में कैद अपने नागरिकों पर लगाए गए जुर्माने को माफ करने पर भी सहमत हुए। बयान के अनुसार, दोनों देशों ने सीमा प्रबंधन में सहयोग बढ़ाने का भी फैसला किया जिसमें तस्करी और मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए कदम उठाना शामिल है।

रिलायंस 'इंडिया इन्वॉल्ड्ड रैंकिंग' में शीर्ष पर

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 'इंडिया इन्वॉल्ड्ड रैंकिंग' 2023 में शीर्ष स्थान हासिल किया है। यह सूचकांक इस बात की पड़ताल करता है कि भारतीय कंपनियां विकसित भारत के लिए किस तरह प्रतिबद्ध है। सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर विचार करने और समावेशी वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने वाले एक प्रमुख भारतीय शोध संस्थान 'स्कॉच' ने छह महीने के अध्ययन के बाद रैंकिंग और सूचकांक तैयार किया। इसमें 231 संकेतकों के आधार पर कई कंपनियों का विश्लेषण करके 'इंडिया इन्वॉल्ड्ड रैंकिंग' पर शीर्ष-20 कंपनियों की सूची तैयार की गई।

रिलायंस के बाद हिंदुस्तान यूनिलीवर और अडाणी समूह का स्थान है। स्कॉच ने बयान में बताया कि जिओ प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड ने डिजिटल रूपांतरण श्रेणी में 'इंडिया इन्वॉल्ड्ड रैंकिंग' में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद ल्युपिन और हेरिटेड फूड का स्थान था। इसी तरह कॉरपोरेट उत्कृष्टता श्रेणी में बैंक ऑफ इंडिया ने शीर्ष स्थान हासिल किया। उसके बाद एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस और आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस का स्थान रहा।

Mahindra FINANCE

खुदरा वाहन ऋण कारोबार में 150 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी सामने आई : महिंद्रा फाइनेंस

नई दिल्ली/भाषा। महिंद्रा फाइनेंस की एक शाखा में खुदरा वाहन ऋण पोर्टफोलियो में लगभग 150 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का पता लगने के बीच निदेशक मंडल की मंगलवार को प्रस्तावित बैठक स्थगित कर दी गई। मार्च तिमाही और वित्त वर्ष 2023-24 के वित्तीय परिणामों को मंजूरी देने के लिए महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज के निदेशक मंडल की मंगलवार को बैठक होने वाली थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बोर्ड बैठक की नई तारीख की जानकारी बाद में दी जाएगी।

महिंद्रा फाइनेंस ने कहा कि समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के अंतिम दिनों में पूर्वोत्तर में स्थित एक शाखा में धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया है। कंपनी ने कहा, खुदरा वाहन ऋण वितरण के संबंध में हुई धोखाधड़ी में केवाईसी दस्तावेजों की जालसाजी की गई जिससे कंपनी के धन का गबन हुआ। मामले में जांच अग्रिम चरण में है। अनुमान है कि इस धोखाधड़ी से 150 करोड़ रुपए तक का वित्तीय प्रभाव पड़ने की आशंका है। महिंद्रा समूह की कंपनी ने कहा कि इस मामले की जांच चल रही है और जरूरी सुधारात्मक कार्रवाइयों की पहचान की गई है और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इस सिलसिले में कुछ लोगों की गिरफ्तार भी किया गया है।

आवास कीमतों में चालू वित्त वर्ष में आ सकती नरमी: इंडिया रेटिंग्स

नई दिल्ली/भाषा। उच्च तुलनात्मक आधार के कारण आवास की मांग और कीमत में चालू वित्त वर्ष में नरमी की संभावना है। इस दौरान बिक्री में आठ से 10 प्रतिशत और कीमत में लगभग पांच प्रतिशत की सालाना वृद्धि होने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने मंगलवार को जारी अपनी रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए आवासीय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए तटस्थ दृष्टिकोण बनाए रखा है। एजेंसी ने बयान में कहा, ब्याज दर में कमी और स्थिरता से खरीद और कीमतों को समर्थन मिल सकता है। हालांकि, बीते वित्त वर्ष के उच्च तुलनात्मक आधार को देखते हुए वृद्धि दर कम होने की संभावना है। आवासीय रियल एस्टेट बाजार ने बीते वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान एक मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया।

ओडिशा में चुनाव से पहले बीजद की दो प्रमुख महिला नेताओं ने इस्तीफा दिया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में एक साथ होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनाव से कुछ ही समय पहले सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) की दो प्रमुख महिला नेताओं ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। हिंडोल से विधायक सिमरानी नायक ने सोमवार को बीजद से इस्तीफा दिया था, वहीं संबलपुर की पूर्व विधायक रासवश्वरी पाणिग्रही ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा देने का ऐलान किया।

विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं मिलने के कुछ घंटों बाद ही नायक ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उनकी जगह ढेंकनाल के सांसद महेश साहू को पार्टी ने मैदान में उतारा है।

बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक को लिखे अपने इस्तीफे में दो बार विधायक रहीं सिमरानी नायक ने व्यक्तिगत समस्याओं का हवाला देते हुए पार्टी से इस्तीफा दिया। नायक ने 2019 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार अशोक कुमार नायक को लगभग 19,000 मतों के अंतर से हराकर सीट जीती थी। पाणिग्रही ने बताया कि बीजद प्रमुख द्वारा जिले के बाहर के उम्मीदवारों को मैदान में उतारने से नाराज हो कर उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दिया है।

कांग्रेस ने झूठे वादे कर हिमाचल प्रदेश को धोखा दिया : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कांग्रेस पर झूठे वादों से हिमाचल प्रदेश के लोगों को धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य के युवाओं को अब भी पांच लाख नौकरियों का इंतजार है। ठाकुर ने हमीरपुर और ऊना जिले में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस और इसके नेता पूरे देश में विफल हो गए हैं, यही कारण है कि पार्टी राजस्थान और छत्तीसगढ़ में दोबारा सत्ता में नहीं आई।

हमीरपुर से भाजपा उम्मीदवार ने आरोप लगाया, राजस्थान में महिलाओं पर देश में सबसे ज्यादा अत्याचार हुए और 19 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। छत्तीसगढ़ में केवल मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्यों को ही सरकारी नौकरी मिलती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के दौरान छत्तीसगढ़ में महादेव ऐप घोटाला सामने आया जबकि राजस्थान के सचिवालय से करोड़ों रुपए और सोना बरामद हुआ।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में झूठी गारंटी देकर सत्ता में आई। उन्होंने कहा कि पार्टी हिमाचल प्रदेश में एक भी वादा पूरा करने में पूरी तरह विफल रही। उन्होंने दावा किया, न तो माताओं और बहनों को प्रति माह 1,500 रुपए मिले, न ही कांग्रेस के वादे के अनुसार दूध 100 रुपए प्रति लीटर खरीदा गया, वहीं राज्य में युवा अब भी पांच लाख नौकरियों का इंतजार कर रहे हैं।

देश के संसाधनों पर सभी नागरिकों का अधिकार, कांग्रेस माफी मांगे : मुख्यमंत्री यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस से अपने घोषणापत्र पर माफी की मांग करते हुए मंगलवार को दावा किया कि पार्टी का घोषणापत्र पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के विचार को दोहराता है, जिन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर मुसलमानों का पहला अधिकार है।

यादव ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश के संसाधनों पर सभी नागरिकों का अधिकार है।

उन्होंने कहा, मैंने कांग्रेस का घोषणापत्र देखा और उसमें जो चीजें जोड़ी गई हैं, उन पर गौर किया। यह कांग्रेस का स्वभाव रहा है। चीजों को जनता के सामने रखने के बाद वह ऐसे बिंदुओं को छिपाने की कोशिश करती है। उन्होंने सवाल किया, हम किसी विशेष समुदाय के बारे में कैसे बात कर सकते हैं? मैं इसकी निंदा करता हूं। यह किस तरह की सोच है कि सभी के लिए संसाधनों पर केवल एक समुदाय का अधिकार है? यादव ने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था कि सभी संसाधनों पर मुसलमानों का 'पहला अधिकार' है। उन्होंने कहा, यह बेहद निंदनीय है। कांग्रेस ने घोषणापत्र में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस बात को फिर से दोहराया है। हम इसकी निंदा करते हैं। कांग्रेस को ऐसे विचारों के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस कुछ भी कहे लेकिन उसने अपने घोषणापत्र में क्या लिखा है, यह किसी से छिपा नहीं है।

नूडल्स के पैकेट में छुपाए गए साढ़े छह करोड़ रू के हीरे और सोना बरामद, चार गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। सीमा शुल्क विभाग ने मुंबई हवाई अड्डे पर नूडल्स के पैकेट में छिपाए गए हीरे और यात्रियों के शरीर के अंगों और उनके सामान में छिपाया गया सोना जब्त किया है, जिनकी कुल कीमत 6.46 करोड़ रुपए है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने विज्ञप्ति में बताया कि सप्ताहांत में चार यात्रियों के पास से 4.44 करोड़ रुपए मूल्य का 6.815 किलोग्राम से अधिक सोना और 2.02 करोड़ रुपए के हीरे जब्त कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों द्वारा मुंबई से बैंकॉक की ओर जा रहे एक भारतीय नागरिक की तलाशी लेने पर उसके ट्रॉली बैग के अंदर नूडल्स के पैकेट में छिपाए गए हीरे बरामद हुए थे। वह हीरे की तस्करी करने के प्रयास में था। बाद में यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया। इसी तरह कोलंबो से मुंबई की यात्रा कर रहे एक विदेशी नागरिक को मुंबई हवाई अड्डे पर रोका गया। उसने अपने अंत: वस्त्र में कुल 321 ग्राम सोना छुपाया हुआ था। विज्ञप्ति में बताया गया कि इसी तरह दस भारतीय नागरिकों को भी रोका गया था और उनके पास से कुल 6.199 किलोग्राम सोना बरामद किया गया, जिसकी कुल कीमत 4.04 करोड़ रुपए थी।

संकट से निपटने को बनायी गई पूंजी बफर व्यवस्था लागू करने की जरूरत नहीं : रिजर्व बैंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को कहा कि उसने मुश्किल हालात से निपटने के लिए लायी गई पूंजी बफर व्यवस्था (सीसीवाईबी) को सक्रिय नहीं करने का फैसला किया है, क्योंकि मौजूदा हालात में इसकी जरूरत नहीं है। आरबीआई ने फरवरी, 2015 में कठिन समय से पार पाने के लिए पूंजी बफर व्यवस्था से संबंधित रूपरेखा लागू की थी। इसमें यह सलाह दी गई थी कि सीसीवाईबी को परिस्थितियों के हिसाब से जरूरत महसूस होने पर लागू किया जाएगा और इस बारे में सामान्य तौर पर पहले घोषणा की जाएगी।

केंद्रीय बैंक की रूपरेखा के मुताबिक, सीसीवाईबी को लागू करने के मुख्य संकेतक के रूप में ऋण-सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अंतर यानी कर्ज जीडीपी अनुपात और इसके दीर्घकालीन रुख के बीच अंतर पर गौर किया जाएगा। इसके साथ अन्य संकेतकों का तालमेल बिठाने के बाद ही कोई फैसला किया जाएगा। आरबीआई ने बयान में कहा, सीसीवाईबी संकेतकों की समीक्षा व अनुभवजन्य विश्लेषण के आधार पर, यह निर्णय लिया गया है कि इस समय सीसीवाईबी को सक्रिय करना आवश्यक नहीं है। आरबीआई ने इस व्यवस्था को वर्ष 2015 में अपनाए जाने के बाद से अब तक कभी भी लागू नहीं किया है। दरअसल रिजर्व बैंक मानता है कि सीसीवाईबी व्यवस्था का उद्देश्य दोहरा है। पहले इसके लिए बैंकों को बेहतर दिनों में पूंजी का एक बफर बनाने की आवश्यकता होती है ताकि खराब समय में ऋण के प्रवाह को बनाए रखने के लिए उसका इस्तेमाल किया जा सके। दूसरा उद्देश्य यह है कि बैंकिंग क्षेत्र ऋण वृद्धि की अवधि में अंधाधुंध कर्ज देने से रोकने के व्यापक विवेकपूर्ण लक्ष्य को हासिल कर पाता है।

जेएनयू की कुलपति के 'मुफ्तखोर' वाले बयान पर छात्र संघ ने की आलोचना

नई दिल्ली/भाषा। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) ने विश्वविद्यालय की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित के इस बयान के लिए उन पर निशाना साधा कि जेएनयू परिसर मुफ्त भोजन और आवास की सुविधा भोगने वालों (फ्रीलोडर) का सामना कर रहा है। छात्र संघ ने पंडित पर विश्वविद्यालय को निशाना बनाने वाली कुछ फिल्मों के 'निंदात्मक विमर्श' पर ध्यान नहीं देने का आरोप भी लगाया।

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) ने कुलपति को लिखे एक खुले पत्र में उन पर 'परिसर में कुछ राजनीतिक रूप से तरजीही समूहों को प्राप्त शानदार सुविधाओं' को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया और कहा कि 'मुफ्तखोर' (फ्रीलोडर) वह थीं, न कि विद्यार्थी।

सोमवार देर रात जारी पत्र के अनुसार, यहां वास्तविक मुफ्तखोर कौन है? क्या छात्र और शिक्षक हैं, जो अकादमिक उत्कृष्टता के लिए काम कर रहे हैं, या संभवत: आप हैं, जो कुलपति के पद पर आसीन हैं, करदाताओं के पैसे से वेतन पा रही हैं लेकिन विश्वविद्यालय समुदाय के लिए अपनी जिम्मेदारियां नहीं निभा पा रहीं।

'इंडिया' गठबंधन कोई मोर्चा नहीं बल्कि भाजपा के खिलाफ मंच : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर (केरल)/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मंगलवार को कहा कि 'इंडिया' गठबंधन कोई मोर्चा नहीं है बल्कि विपक्षी राजनीतिक दलों की प्रणाली है जो केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ मंच के रूप में सामने आई है। विजयन का यह बयान केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के बीच कांटे की टक्कर के बीच आया है। केरल में 26 अप्रैल को मतदान होगा और दोनों दल 'इंडिया' गठबंधन के घटक हैं। उन्होंने यहां प्रेस वार्ता में कहा कि लोकसभ चुनाव के दौरान एक मंच के तौर पर विभिन्न राज्यों में गठबंधन बनाया गया जिसका नतीजा है कि भाजपा मोटे तौर पर अलग-थलग पड़ गई है। मुख्यमंत्री ने कहा, देश में भाजपा के खिलाफ प्रबल भावना है।

मार्क्सवादी पार्टी के दिग्गज नेता ने कहा कि गठबंधन के अगले कदम पर फैसला चुनावों के उपरांत और पैदा होने वाली स्थिति का विश्लेषण करने के बाद लिया जाएगा। उन्होंने यह टिप्पणी संवाददाताओं के इस सवाल पर की कि क्या 'इंडिया' गठबंधन उस लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है जिसके लिए इसकी स्थापना की गई थी। यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्षी गठबंधन के प्रधानमंत्री पद उम्मीदवार राहुल गांधी होंगे तो विजयन ने कहा कि कांग्रेस ने इस संबंध में अब तक कोई फैसला नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने गांधी को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर पेश किया था। विजयन ने कहा, केरल के लोगों को इसका अनुभव है और मैं नहीं मानता कि वे इस बार भी वह काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वाम मोर्चे का मानना है कि भाजपा के खिलाफ जीतने वाले सभी दल उस 'इंडिया' गठबंधन के नेता के बारे में फैसला करेंगे।

केजरीवाल को इंसुलिन दी गई,

अरविंद केजरीवाल पर हुई हनुमान की कृपा : आप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के रक्त में शर्करा की मात्रा बढ़ने के बाद उन्हें इंसुलिन दी गई। तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वहीं आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि ऐसा भगवान हनुमान के आशीर्वाद के कारण हुआ है। मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जा रहा है।

तिहाड़ जेल के एक अधिकारी ने कहा, एम्स के चिकित्सकों की सलाह पर केजरीवाल को सोमवार शाम को कम 'डोज' वाली इंसुलिन की दो यूनिट दी गईं।

अधिकारी ने बताया कि शाम करीब सात बजे उनके रक्त में शर्करा की मात्रा 217 पाई गई, जिसके बाद तिहाड़ में उनकी देखभाल कर रहे चिकित्सकों ने उन्हें इंसुलिन देने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि एम्स के विशेषज्ञों ने 20 अप्रैल को मुख्यमंत्री के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान तिहाड़ के चिकित्सकों को सलाह दी थी कि अगर केजरीवाल के रक्त में शर्करा की मात्रा एक निश्चित स्तर से ऊपर चली जाती है तो उन्हें इंसुलिन दिया जा सकता है। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज हनुमान जयंती के मौके पर अपने निर्वाचन क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे, जहां भगवान हनुमान की पोशाक पहने एक व्यक्ति ने इंसुलिन की शीशियों वाला एक 'कट-आउट' गले में पहना हुआ था और भारद्वाज गदा लिए एक वाहन पर सवार होकर यात्रा कर रहे थे। उन्होंने 'पीटीआई-वीडियो' सेवा को बताया, हनुमानजी ने अपने भक्त अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन दिया है। अदालत ने आदेश पारित किया, जेल ने इनकार किया लेकिन हनुमानजी के कारण केजरीवाल को इंसुलिन मिला। हम केजरीवाल के अच्छे स्वास्थ्य, लंबे जीवन के लिए प्रार्थना करते हैं और वह जल्द ही रिहा होंगे। इससे पहले दिन में भारद्वाज ने आरोप लगाया था कि अधिकारी केजरीवाल को जानबूझकर इंसुलिन नहीं दे रहे थे।

भारद्वाज ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज साफ हो गया कि मुख्यमंत्री सही थे। उन्हें इंसुलिन की जरूरत थी लेकिन भाजपा नीत केंद्र सरकार के अधिकारी जानबूझकर उनका इलाज नहीं कर रहे थे। बताओ भाजपा वालों, अगर इंसुलिन की जरूरत ही नहीं है तो अब क्यों दे रहे हैं ? क्योंकि पूरी दुनिया इन पर लानत भेज रही है। केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल हनुमान जयंती के मौके पर मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचीं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हनुमान बाबा सभी को सदबुद्धि और समृद्धि दें। हनुमान बाबा सभी की और मेरी भी परेशानी दूर करें। मैं जल्द ही सर (केजरीवाल) के साथ वापस आऊंगी।

'आप' के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि भगवान हनुमान का आशीर्वाद है कि 23 दिनों तक जेल में रहने और कथित दुर्व्यवहार के बावजूद आखिर मुख्यमंत्री को इंसुलिन मिल ही गई। सिंह ने कहा, भगवान हनुमान का आशीर्वाद है कि केजरीवाल को 23 दिनों के बाद इंसुलिन दिया गया। हम कह रहे थे कि केजरीवाल को इंसुलिन दिए जाने की जरूरत है लेकिन उन्होंने (जेल प्रशासन) अब जाकर इंसुलिन दिया। दिल्ली के लोग केजरीवाल के बारे में चिंतित थे लेकिन उनका संघर्ष सफल हुआ। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने पोस्ट में कहा, बजरंग बली की जय। हनुमान जयंती पर मिली खुशखबरी। तिहाड़ प्रशासन ने अरविंद केजरीवाल को आखिरकार इंसुलिन दी। यह हनुमान जी के आशीर्वाद और दिल्ली वालों के संघर्ष से संभव हुआ है।

हमारे मसाला उत्पाद सुरक्षित, उच्च गुणवत्ता वाले : एवरेस्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स ने मंगलवार को कहा कि उसके सभी उत्पाद सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता के हैं। सिंगापुर और हांगकांग में एवरेस्ट के मसाला उत्पाद की गुणवत्ता पर सवाल उठाने के बीच कंपनी ने यह बात कही। एवरेस्ट ने बयान में कहा कि 'हमारे उत्पादों पर किसी देश में प्रतिबंध नहीं है। एवरेस्ट के 60 उत्पादों में से केवल एक को जांच के लिए रखा गया है। यह एक मानक प्रक्रिया है, कोई प्रतिबंध नहीं।

कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, हम अपने ग्राहकों को आश्वस्त करते हैं कि हमारे उत्पाद सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाले हैं, इसलिए चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर के खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण ने हांगकांग की ओर से चिंता जताए जाने का हवाला दिया और कंपनी के सिंगापुर आयातक को आगे के निरीक्षण के लिए उत्पाद को वापस मंगाने और अस्थायी रूप से रखने के लिए कहा। प्रवक्ता ने कहा, यह एक मानक प्रक्रिया है, कोई प्रतिबंध नहीं। एवरेस्ट के 60 उत्पादों में से केवल एक को जांच के लिए रखा गया है। खाद्य सुरक्षा कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ...हमारे सभी उत्पाद कड़े गुणवत्ता नियंत्रण जांच से गुजरते हैं। भारतीय मसाला बोर्ड की प्रयोगशालाओं से आवश्यक मंजूरी और अनुमोदन प्राप्त करने के बाद ही निर्यात को मंजूरी दी जाती है।

एलडीएफ विधायक की राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी से खड़ा हुआ राजनीतिक विवाद

पलक्कड (केरल)/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के ''राहुल गांधी के एक पुराने नाम'' संबंधी बयान को लेकर कांग्रेस की कड़ी प्रतिक्रिया के बीच, राज्य में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के विधायक पी वी अनवर ने यह कहकर एक और विवाद पैदा कर दिया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के डीएनए की जांच की जानी चाहिए।

व्यवसायी से विधायक बने अनवर ने कहा कि कांग्रेस नेता ''चौथे दर्जे के नागरिक'' बन गए हैं, जो गांधी उपनाम से बुलाए जाने के लायक नहीं हैं। विजयन के खिलाफ गांधी के हालिया बयान से खफा अनवर ने सवाल किया कि नेहरू परिवार से संबंध रखने वाला कोई व्यक्ति इस तरह के बयान कैसे दे सकता है।

अनवर ने यहां एलडीएफ स्थानीय समिति द्वारा आयोजित एक बैठक में कहा, मेरी राय है कि राहुल गांधी के डीएनए की जांच की जानी चाहिए। इसमें कोई विवाद नहीं है। गांधी ने राज्य में अपने हालिया प्रचार अभियान के दौरान सवाल किया था कि विपक्ष शासित राज्यों के दो मुख्यमंत्रियों को जेल भेजने वाली केंद्रीय एजेंसियों ने वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता से पूछताछ क्यों नहीं और उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया, जबकि उन पर कई आरोप लगे हैं। वामपंथी नेताओं ने विजयन के खिलाफ दिए गए बयानों के लिए कांग्रेस नेता की कड़ी आलोचना की और कहा कि उन्हें विजयन के बजाय मोदी और आरएसएस की आलोचना करनी चाहिए। गांधी के खिलाफ अनवर की ''आपत्तिजनक'' टिप्पणी पर विजयन से उनकी प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने एलडीएफ विधायक को सही ठहराया और कहा कि कांग्रेस नेता आलोचना से परे व्यक्ति नहीं हैं।

भाजपा की 'सी-टीम' बन गई है पीडीपी : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोकेरनाग (जम्मू कश्मीर)/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) भाजपा की 'सी-टीम' बन गई है और लोगों को सांप्रदायिक ताकतों को हराने के लिए लोकसभा चुनाव में केवल विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के उम्मीदवारों की ओर देखना चाहिए। अब्दुल्ला ने दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग में एक चुनावी रैली के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, हमने शुरू से ही कहा है। अगर हमें जम्मू-कश्मीर में भाजपा को हराना है, अगर हमें देश भर में जहर फैलाने की कोशिश कर रही सांप्रदायिक ताकतों को हराना है, तो लोगों को केवल 'इंडिया' के उम्मीदवारों की ओर देखना चाहिए - कश्मीर की तीन सीटों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार और जम्मू में दो सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार।

नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक हैं। पीडीपी हालांकि स्वतंत्र रूप से लोकसभा चुनाव लड़ रही है, जबकि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने चुनाव के लिए हाथ मिलाया है।

अब्दुल्ला ने कहा, बाकी लोगों का कहीं न कहीं भारतीय जनता पार्टी से संबंध है - चाहे वह बी-टीम हो या ए-टीम, जो (भाजपा नेता) तरुण चुघ या पीडीपी के साथ देर रात बैठकें करते हैं। (भाजपा नेता) मुश्ताक बुखारी ने खुले तौर पर घोषणा की है (पीडीपी प्रमुख) महबूबा मुफ्ती के पक्ष में अपना वोट डालने के लिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष ने कहा कि वह समझते हैं कि पीडीपी प्रमुख बुखारी के उनका बयान बदलने के लिए भाजपा पर दबाव डालेंगी। अब्दुल्ला ने कहा, मैं मानता हूं कि महबूबा मुफ्ती मुश्ताक बुखारी को अपना बयान बदलने के लिए भाजपा पर दबाव डालेंगी, लेकिन अब स्थिति सबसे सामने आ गई है। ए-टीम और बी-टीम के बाद पीडीपी अब भाजपा की सी-टीम बन गई है।

अन्नाद्रमुक ने मोदी की मुस्लिमों को लेकर की गई टिप्पणी पर जताई आपत्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई.के.पलानीस्वामी ने राजस्थान की एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए भाषण को लेकर मंगलवार को कड़ी आपत्ति जताई।

उन्होंने कहा कि नेताओं को घृणा भाषण से बचना चाहिए क्योंकि यह भारत की संप्रभुता के खिलाफ है। प्रधानमंत्री मोदी ने 21 मार्च को राजस्थान के बांसवाड़ा में कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र को

निशाना बनाते हुए भाषण दिया था। प्रधानमंत्री के भाषण पर टिप्पणी करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि मोदी ने मुस्लिमों के बारे में विवादित तरीके से बात कर विवाद खड़ा कर दिया है।

मोदी ने रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने लोगों की मेहनत की कमाई और उनकी संपत्ति घुसपैठियों' और उन लोगों को देने की योजना बनाई है जिनके 'अधिक बच्चे' हैं।

यहां जारी बयान में पलानीस्वामी ने कहा, भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और राजनीतिक नेताओं के लिए वोट-बैंक की राजनीति के लिए बोलना उचित नहीं है। प्रधानमंत्री के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति को ऐसी विवादास्पद टिप्पणियों से बचना चाहिए जो भारत की संप्रभुता के खिलाफ हों।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी विवादास्पद टिप्पणियां अल्पसंख्यक वर्ग के मन में भय पैदा करती हैं और धार्मिक भावनाएं भड़काती हैं।

पलानीस्वामी ने कहा, ''जो कोई भी चुनाव प्रचार के दौरान इस तरह का धार्मिक घृणा पैदा करने वाला भाषण देता है, वह भारत की संप्रभुता के खिलाफ है। राष्ट्रहित में इससे पूरी तरह बचना चाहिए।'' पिछले साल सितंबर में अन्नाद्रमुक के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)से अलग होने के बाद संभवत: यह पहली बार है जब पलानीस्वामी ने मोदी की आलोचना की है।

छात्रा ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को मुफ्त बस टिकट से बनी माला भेंट की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को कानून की पढ़ाई करने वाली प्रथम वर्ष की एक छात्रा ने बस की मुफ्त टिकट से बनी एक माला भेंट की, जिससे वह बहुत खुश हुए। कांग्रेस के पांच प्रमुख चुनावी वादों में से एक 'शक्ति' गारंटी योजना शुरू करने के लिए छात्रा ने सिद्दरामैया के प्रति आभार जताने के लिए ये माला भेंट की। पिछले साल जून में शुरू की गई इस योजना से राज्य की गैर-लक्जरी सरकारी बसों में महिलाएं मुफ्त यात्रा करती हैं।

परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस योजना की शुरुआत के बाद 194.39 करोड़ मुफ्त यात्रा की गई हैं, जिसमें राज्य के खजाने पर 4,673.56 करोड़ रुपये का भार पड़ा। एम. ए. जयश्री ने सोमवार शाम को इस जिले के अरसीकेरे में एक चुनावी रैली के दौरान सिद्दरामैया को माला भेंट की थी। जयश्री ने सिद्दरामैया को माला भेंट करते हुए कहा, ''आपने मुझे बसों में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा दी, जिससे मैं कानून की पढ़ाई कर सकूं।'' सिद्दरामैया के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में जयश्री के हवाले से बताया गया कि उसने माला भेंट करते हुए कहा, ''इसलिए मैंने बस के सारे मुफ्त टिकट जमा किये थे और उनसे ये माला बनाई। मैं आपको इसे देने के लिए महीनों से इंतजार कर रही हूं। जब मुझे पता चला कि आप आज अरसीकेरे आ रहे हैं, तो मैं यह माला लेकर यहां आ गई।'' मुख्यमंत्री इस भाव से अभिभूत हुए और उन्होंने इसे हमारी सरकार की उपलब्धियों की माला के तौर पर स्वीकार किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर विपक्षियों द्वारा कांग्रेस की गारंटी योजना की आलोचना किये जाने पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''वह कानून की पढ़ाई पूरी करके एक अच्छी वकील बनकर समाज की सेवा करना चाहती है और उन गुमराह लोगों को सही रास्ता दिखाना चाहती है जो गारंटी योजनाओं के कारण लड़कियों के भटकने का आरोप लगाते हैं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सूखा राहत राशि जारी करने में देरी को लेकर धरना दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने मंगलवार को केंद्र सरकार के सूखा राहत राशि जारी करने में देरी के खिलाफ यहां धरना दिया और इस मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की निंदा की। सिद्दरामैया ने कहा कि विधान सौध के परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया जहां विधानमंडल और राज्य सचिवालय स्थित हैं।

उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य भाजपा नीत केंद्र सरकार द्वारा कर्नाटक और उसके लोगों के साथ किए गए 'अन्याय' की ओर जनता का ध्यान आकर्षित करना था। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी और शाह कर्नाटक और इसके किसानों से 'नफरत करते हैं' जिसके कारण सात महीने के गंभीर सूखे के बाद भी सूखा राहत राशि जारी नहीं की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने 100 साल में इतना भीषण सूखा नहीं देखा है। उन्होंने सरकारी सर्वेक्षण रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि राज्य के 240 में से 223 तालुक सूखा प्रभावित हैं।

सिद्दरामैया ने सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा, मोदी और अमित शाह कर्नाटक और इसके किसानों से नफरत करते हैं। जब हमने उनसे राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के मानदंडों के अनुसार सूखा राहत सहायता प्रदान करने के लिए कहा, तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला, मंत्री रामलिंगा रेड्डी और कृष्णा बायरे गौड़ा और कुछ कांग्रेस सांसद और विधायक भी इस दौरान उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि सहायता राशि जारी करने की मांग को लेकर केंद्र को कई ज्ञापन दिये गये लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का आकलन है कि एनडीआरएफ मानदंडों के अनुसार सूखा राहत कार्य के लिए 18,171 करोड़ रुपये की आवश्यकता है।

सिद्दरामैया ने कहा कि अपर्याप्त बारिश के कारण 48,000 हेक्टेयर में खड़ी फसलें नष्ट हो गईं और राज्य सरकार ने अपने संसाधनों से प्रत्येक किसान को 2,000 रुपये का भुगतान किया जिससे 34 लाख किसानों पर कुल 650 करोड़ रुपये का खर्च आया। सिद्दरामैया ने कर्नाटक को सूखा प्रबंधन राशि प्रदान करने के मुद्दे पर 'हस्तक्षेप' करने के लिए उच्चतम न्यायालय के प्रति आभार व्यक्त किया।

यौन उत्पीड़न मामला : अदालत ने तमिलनाडु के पूर्व विशेष डीजीपी की सजा निलंबित करने से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने यौन उत्पीड़न के एक मामले में तमिलनाडु के पूर्व विशेष पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजेश दास को सुनाई गई तीन साल की सजा निलंबित करने से मंगलवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एम दंडपाणि ने दास को निचली अदालत में आत्मसमर्पण करने से छूट देने से भी इनकार कर दिया। वर्ष 2021 में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की एक महिला अधिकारी का यौन उत्पीड़न करने के मामले में विल्लुपुरम की स्थानीय अदालत ने दास को दोषी करार देते हुए तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

न्यायाधीश ने कहा कि महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने या उनके साथ अभद्र व्यवहार करने से जुड़े मामलों में अदालतों को आरोपियों की सजा निलंबित करते समय बहुत सतर्कता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान मामले के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए अदालत दास की सजा को निलंबित करने की इच्छुक नहीं है।

अदालत ने कहा कि सजा निलंबित करने संबंधी याचिका खारिज की जाती है और याचिकाकर्ता की निचली अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने से छूट देने संबंधी याचिका भी खारिज की जाती है।

कर्नाटक, गुजरात स्वच्छ ऊर्जा अपनाने में सबसे आगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नयी दिल्ली। देश में स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने में कर्नाटक और गुजरात सबसे आगे हैं, जबकि झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को प्रयास बढ़ाने की जरूरत है। शोध संगठन इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस (आईईईएफए) और स्वच्छ ऊर्जा थिंक टैंक एम्बर की संयुक्त रिपोर्ट में मंगलवार को यह बात कही गई। रिपोर्ट के लेखकों ने कहा कि कर्नाटक और गुजरात ने सभी आयामों में अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। इन राज्यों ने अपने बिजली क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को प्रभावी ढंग से जोड़ा है, जिससे कार्बन उत्सर्जन कम करने में मजबूत प्रगति हुई है।

दूसरी ओर झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को सुधार की जरूरत है। यह रिपोर्ट ऐसे वक्त में जारी हुई है जब भारत के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी की लहर चल रही है। इसके कारण बिजली मंत्रालय 260 गीगावाट की अनुमानित अधिकतम बिजली मांग की तैयारी कर रहा है। भीषण गर्मी के मौसम में सौर ऊर्जा जैसी अधिक स्वच्छ ऊर्जा के लिए अनुकूल स्थितियां पैदा होती हैं। आईईईएफए के निदेशक (दक्षिण एशिया) और रिपोर्ट में योगदान करने वाले लेखक विभूति गर्ग ने कहा कि चक्रीय मौसमी परिस्थितियों के साथ ही तेज आर्थिक गतिविधियों के कारण भारत में हर साल अधिकतम बिजली की मांग बढ़ रही है। केंद्र सरकार ग्रिड में अधिक नवीकरणीय ऊर्जा को जोड़ने के लिए कदम उठा रही है, हालांकि राज्यों को भी ऐसा करने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अब राज्य स्तर पर कई मापदंडों की लगातार निगरानी करने की जरूरत है। एम्बर के एशिया कार्यक्रम निदेशक और रिपोर्ट में योगदान करने वाले लेखक आदित्य लोला ने कहा कि कुछ राज्यों ने विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा नियोजन को बढ़ावा देने, कृषि जरूरतों के लिए सौर पंपों को बढ़ावा देने और अपनी बिजली प्रणालियों में अधिक नवीकरणीय ऊर्जा जोड़ने के लिए भंडारण समाधान बढ़ाने जैसे प्रगतिशील कदम उठाए हैं।

मतदाताओं को मतदान करने से पहले दो बार सोचना चाहिए : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्गा। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी ने मंगलवार को कर्नाटक के मतदाताओं से नफरत भरे भाषणों से नाराज न होने की अपील की। प्रियंका गांधी का कहना है कि मतदाताओं को मतदान करने से पहले दो बार सोचना चाहिए। प्रियंका गांधी ने कर्नाटक के चित्रदुर्ग में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से देश के लिए और उनके विकास के लिए वोट करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश में जो हो रहा है वह गलत है। चंद लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए गरीबों, मध्यम वर्ग, मजदूरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय संपत्ति चंद लोगों को दी जा रही है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र ने कर्नाटक को सूखा राहत नहीं दी। उत्तरी कर्नाटक के रायचूर शहर में एम्स की मांग वर्षों से की जा रही है, लेकिन आज तक इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है।

कलसा-बंडूरी योजना से लोगों को पानी मिलेगा। केंद्र सरकार अनुमति देने से इनकार कर रही है। तुमकुर चिक्कमगलुरु और दावणगेरे जिले को पानी उपलब्ध कराने वाली अपर भद्रा परियोजना के लिए धनराशि जारी नहीं की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने कर्नाटक को धन के मामले में 62 हजार करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया है। प्रधानमंत्री दावा करते हैं कि वह दिन-रात काम करते हैं। फिर यह पक्षपातपूर्ण मानसिकता क्यों? संकट में फंसे हिमाचल प्रदेश को भी कुछ नहीं मिला। इससे पता चलता है कि उन्हें देश की कोई चिंता नहीं है।

प्रियंका गांधी ने यह भी घोषणा की कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो काडू गोल्ला समुदाय को एसटी का दर्जा मिलेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कानून बन जाएगा। कृषि उत्पादों पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। फसलों के लिए बीमा कवर होगा, जहां फसल नुकसान होने पर 30 दिन में मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान महंगाई, स्वास्थ्य के बारे में कोई बात नहीं होती है। केवल भड़काऊ भाषण दिए जाते हैं और भाजपा, सरकारों का गिरना सुनिश्चित करती है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि मैं यहां उस देश के बारे में बात करने आई हूं, जिसे आपने अपनी कड़ी मेहनत से बनाया है। एक तरफ महंगाई, बेरोजगारी की कड़वी सच्चाई है, तो दूसरी तरफ देश के बुलंदियां छूने की बात भी हो रही है। लोगों के जीवन में संघर्ष बढ़ता जा रहा है। पेट्रोल-डीजल, सोना, चांदी और एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ गए हैं। फसलों के लिए कोई एमएसपी नहीं है, लेकिन हर जगह जीएसटी है। किसान कर्ज के बोझ तले डूब रहा है। कर्जमाफी की कोई बात नहीं हो रही है। कुछ ही लोगों को फायदा होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का बैंक खाता सीज कर दिया गया। दो मुख्यमंत्रियों को जेल भेज दिया गया है। विपक्षी नेताओं को कमजोर करने के लिए उनके खिलाफ मामले दर्ज किये गये हैं। भाजपा को 400 सीटें मिलने पर संविधान बदलने की बात हो रही है।

संविधान आपको सशक्त बनाता है। यह सुरक्षा और संरक्षा तथा मतदान की शक्ति देता है। अगर कोई संविधान बदलने की बात कर रहा है, तो वे आपके जीवन को बदलने की बात कर रहे हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि हिंदू धर्म, राजनीति के मूल्य सेवा और सत्य के मार्ग का संदेश देता है। भगवान राम भी यही संदेश देते हैं। महात्मा गांधी और अन्य सभी प्रधानमंत्रियों ने पार्टी लाइनों से ऊपर उठकर उन सिद्धांतों का पालन किया। अब ये कहीं देखने को नहीं मिलेगा।

कांग्रेस सरकार की गारंटी योजनाओं के पक्ष में लहर चल रही है : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्गा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में कोई मोदी लहर' नहीं है, बल्कि राज्य में कांग्रेस पार्टी की गारंटी योजनाओं के पक्ष में लहर जरूर चल रही है।

सिद्दरामैया ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विदेशों से काला धन वापस लाने, हर साल दो करोड़ नौकरियां देने और

किसानों की आय दोगुनी करने जैसा कोई भी वादा पूरा नहीं कर पाए। सिद्दरामैया ने अपनी सरकार की पांच गारंटी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा, राज्य में कोई मोदी लहर नहीं है। लोग उनके झूठ समझ गए हैं। इसलिए पूरे देश में कोई मोदी लहर नहीं है। अगर कोई लहर है तो केवल हमारी गारंटी की लहर है।

भाजपा से निष्कासन का डर नहीं था : ईश्वरप्पा

शिवमोग्गा। कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री के एस ईश्वरप्पा ने मंगलवार को कहा कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निष्कासन का भय नहीं था। साथ ही उन्होंने पूरे जोश के साथ निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर लोकसभा चुनाव लड़ने का संकल्प दोहराया।

ईश्वरप्पा ने कहा कि उनका निष्कासन अपेक्षित था। भाजपा ने सोमवार को पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने और निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए ईश्वरप्पा को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया।

प्रदेश अनुशासन समिति के अध्यक्ष लिंगराज पाटिल ने निष्कासन आदेश में कहा, पार्टी के निर्देशों की अनदेखी करते हुए आप शिमोगा लोकसभा क्षेत्र से एक बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, जिससे पार्टी को शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है। यह पार्टी अनुशासन का उल्लंघन है। इसमें कहा गया, ''इसलिए, आपको सभी जिम्मेदारियों से मुक्त किया जाता है और तत्काल प्रभाव से छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया जाता है।''

ईश्वरप्पा ने कर्नाटक में जमीनी स्तर पर भाजपा को खड़ा करने का श्रेय दिया जाता है। पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले 75 वर्षीय ईश्वरप्पा ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से कहा था कि वह चुनावी राजनीति से संन्यास लेना चाहते हैं और उन्हें किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतारने पर विचार न किया जाए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तब ईश्वरप्पा को फोन किया था और उनसे वीडियो कॉल पर बात की थी तथा पार्टी के निर्देशों के अनुसार, चुनावी राजनीति से संन्यास लेने के उनके कदम की सराहना की थी। ईश्वरप्पा ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं से व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, मुझे अपने निष्कासन के संबंध में पार्टी से कोई सूचना नहीं मिली है। सच तो यह है कि मैं सोच रहा था कि मुझे अभी तक निष्कासित क्यों नहीं किया गया।

उन्होंने कहा, ''मैं निष्कासन से नहीं डरूंगा। मेरा चुनाव लड़ना स्पष्ट है, शिवमोगा (शिमोगा लोकसभा सीट) से जीतना स्पष्ट है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों को मजबूत करना भी स्पष्ट है।'' उन्होंने कहा कि उन्हें 'गन्ना वाला किसान' चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है, जो उनके निर्वाचन क्षेत्र के किसानों से उनके लिए आशीर्वाद का संकेत देता है। ईश्वरप्पा पड़ोसी हावेरी निर्वाचन क्षेत्र से अपने बेटे के ई कांतेश के लिए टिकट चाह रहे थे।

नेहा हत्याकांड के बाद रिश्ता तोड़ने वाली हिंदू लड़की पर हमला करने के आरोप में मुस्लिम युवक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हुब्बल्ली में एक मुस्लिम युवक को एक हिंदू लड़की के साथ कथित तौर पर मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता ने एक एमसीए छात्र और कांग्रेस नेता की बेटी नेहा हीरेमठ की एक मुस्लिम द्वारा कथित हत्या के बाद उसके साथ 'दोस्ती' खत्म करने का फैसला किया था। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान फल विक्रेता आफताब के रूप में हुई है।

लड़की ने पुलिस को बताया कि उसका परिचय आफताब से एक अन्य मुस्लिम लड़की के माध्यम से हुआ था जो उसकी सहपाठी थी। लड़की ने मीडिया को बताया, आफताब दो साल से मेरा पीछा कर रहा था। उसने बैग और अन्य सामान उपहार में दिए थे। मैंने उससे दोस्ती करने की कोशिश की।

हालांकि, नेहा हत्याकांड के बाद, मुझे आफताब के इरादों के बारे में आशंका होने लगी और मैंने उससे कहा कि वह हमारे बीच सभी संबंध खत्म कर दे। उसने मुझसे अपने द्वारा दिए गए सभी उपहार वापस करने को कहा। जब मैं उपहार वापस करने आई और उससे दोस्ती खत्म करने के लिए कहा, तो उसने मेरे साथ मारपीट की और सार्वजनिक स्थान पर मेरे सिर पर वार किया। आफताब ने सड़क किनारे लड़की द्वारा लौटाए गए उपहारों में भी आग लगा दी। पीड़िता ने कहा, मुझ पर हमला होते देख राहगीर मेरी मदद के लिए आए और वे आफताब को ले गए।

लड़की को बचाने वाले कथित हमले के एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि उसने अचानक देखा कि सार्वजनिक स्थान पर दिन के उजाले में एक युवा लड़की पर हमला किया गया था। उसने कहा, मैं उसकी मदद के लिए दौड़ा और उसे दूर धकेल दिया। उसके पास चाकू था।

लड़की ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में कहा कि आफताब ने उसे जबरदस्ती बैग और अन्य सामान गिफ्ट कर दिया। उसने दावा किया कि उसने उस पर संबंध जारी रखने के लिए भी दबाव डाला और उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हुबल्ली-धारवाड़ पुलिस आयुक्त रेणुका सुकुमार ने सोमवार को कहा कि पुलिस ने मामले के सिलसिले में आरोपी आफताब को गिरफ्तार कर लिया है।

ईश्वरप्पा को चुनाव मैदान से न हटने के कारण निष्कासित किया गया : कर्नाटक भाजपा प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मंगलवार को कहा कि बागी नेता के एस ईश्वरप्पा को पार्टी से इसलिए निष्कासित किया गया क्योंकि वह लाख कोशिशों के बावजूद लोकसभा चुनाव मैदान में बने रहे। विजयेंद्र ने दावा किया कि ईश्वरप्पा को शिवमोग्गा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले किसी भी विधानसभा क्षेत्र में लोगों का समर्थन नहीं मिलेगा जहां से वह निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

विजयेंद्र के भाई एवं वर्तमान सांसद राघवेंद्र येडीयुरप्पा शिवमोग्गा से भाजपा के आधिकारिक उम्मीदवार हैं। चुनाव मैदान में उतरे पूर्व उपमुख्यमंत्री और पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष रह चुके ईश्वरप्पा ने अपने बेटे के. ई. कांतेश को हावेरी से टिकट नहीं मिलने के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र और उनके पिता एवं दिग्गज नेता बीएस येडीयुरप्पा को दोषी ठहराया था। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई हावेरी से भाजपा के उम्मीदवार हैं। विजयेंद्र ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''तमाम कोशिशों के बावजूद वह (ईश्वरप्पा) चुनाव मैदान में बने रहे। इसके परिणामस्वरूप, भाजपा की अनुशासन समिति ने फैसला किया और उन्हें छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया।'' ईश्वरप्पा के इस दावे पर कि उनके चुनाव जीतने के बाद येडीयुरप्पा और उनके बेटे खुद उन्हें पार्टी में वापस ले लेंगे, विजयेंद्र ने कहा, मतगणना के दौरान चीजें पता चल जाएंगी। पहले दौर से लेकर आखिरी दौर तक उन्हें किसी भी विधानसभा क्षेत्र में वोट नहीं मिलेंगे।

उन्होंने कहा, मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा। लोग मूर्ख नहीं हैं। यहां तक कि एक बच्चा भी शिवमोग्गा में रगन्ना (राघवेंद्र) के विकास कार्यों के बारे में बात करेगा। वह (ईश्वरप्पा) खुद नहीं जानते कि इस जिले में उनका क्या योगदान है। येडीयुरप्पा और रगन्ना का योगदान तथा मोदी सरकार के तहत हुआ विकास लोगों के दिलों में है, इसलिए रगन्ना का 2.5 से 3 लाख से अधिक मतों के अंतर से जीतना निश्चित है। भाजपा ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोस चुनाव लड़ने और पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने पर ईश्वरप्पा को सोमवार को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। विजयेंद्र ने कहा कि राज्य का राजनीतिक परिदृश्य पूरी तरह से बदल गया है और लोगों को मूर्ख बनाकर सत्ता में आई कांग्रेस की लोकप्रियता कम हो गई है। उन्होंने कहा, लोस चुनाव में मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए राज्य भर में लोग भाजपा-जद (एस) गठबंधन को समर्थन देने के लिए उत्साहित हैं और गठबंधन राज्य की सभी 28 सीट जीतेगा।

प्रियंका गांधी के दौरे का कर्नाटक में कोई असर नहीं : विजेयन्द्र येडीयुरप्पा

शिवमोग्गा। कर्नाटक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मंगलवार को कहा कि प्रियंका गांधी के दौरे का राज्य में कोई असर नहीं पड़ेगा। प्रियंका मंगलवार को कर्नाटक पहुंचीं और चित्रदुर्ग और बेंगलूरु दक्षिण लोकसभा क्षेत्रों में रैलियों को संबोधित किया। विजयेंद्र ने कहा कि उनके दौरे से कांग्रेस को कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''प्रियंका व राहुल गांधी की यात्रा का कर्नाटक में कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।''

उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक प्रचार कर रहे हैं। यहां के लोग नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का इंतजार कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि लोग कर्नाटक में भाजपा और जद-एस गठबंधन को आशीर्वाद देंगे। बीजेपी नेता के.एस.ईश्वरप्पा के निष्कासन पर उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक में भी बीजेपी की अनुशासन समिति है। लिंगराज पाटिल उसके अध्यक्ष नहीं हैं। यह निर्णय केंद्रीय नेतृत्व के परामर्श के बाद लिया गया।

दलित, पिछड़ों और आदिवासियों का आरक्षण मुसलमानों को देना चाहती थी कांग्रेस : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के टोंक जिले में मंगलवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के आरक्षण को मजहब के आधार पर मुसलमानों को देने की कोशिश करने का आरोप लगाया। मोदी ने कहा कि देश में दलितों, पिछड़ों व आदिवासियों का आरक्षण न खत्म होगा और न ही उसे धर्म के नाम पर बांटने दीया जाएगा। मोदी ने आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस को ललकारते हुए पूछा, क्या कांग्रेस ऐलान करेगी कि वे संविधान में दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों के आरक्षण को कम करके इसे मुसलमानों को नहीं बांटेगी?

प्रधानमंत्री ने टोंक के उनियारा में जनसभा को संबोधित करते हुए जोर देकर कहा कि वह संविधान को समझते हैं और उसके प्रति समर्पित हैं। उन्होंने कहा, मोदी, संविधान को समझता है। मोदी संविधान के प्रति समर्पित है और मोदी बाबा साहब आंबेडकर की पूजा करने वाला व्यक्ति है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2004 में जैसे ही कांग्रेस की केंद्र में सरकार बनी उसके सबसे पहले किए गए कार्यों में से एक... आंध्र प्रदेश में एससी, एसटी के आरक्षण को कम कर मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रयास था। मोदी ने कहा, जब वह मुख्यमंत्री थे, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन ने भाषण दीया था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है।

उन्होंने कहा, ये संयोग नहीं था। ये अकेला बयान नहीं था। कांग्रेस की सोच हमेशा से तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति की रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ये एक पायलट प्रोजेक्ट था, जिसे कांग्रेस पूरे देश में आजमाना चाहती थी। 2004 से 2010 के बीच कांग्रेस ने चार बार आंध्र प्रदेश में मुस्लिम आरक्षण लागू करने की कोशिश की लेकिन उच्चतम न्यायालय की जागरूकता के कारण वो अपने मनसूबे पूरे नहीं कर पाए।

मोदी ने कहा, 2011 में कांग्रेस ने इसे देश में लागू करने की कोशिश की। एससी, एसटी व ओबीसी को मिला हुआ अधिकार छीन कर वोट बैंक की राजनीति के लिए दूसरों को देने का खेल किया। कांग्रेस ने ये जानबूझ कर किया। ये सब संविधान की मूल भावना के खिलाफ था लेकिन कांग्रेस ने संविधान की, बाबा साहेब आंबेडकर की परवाह नहीं की। उन्होंने कहा कि जब कर्नाटक में भाजपा सरकार आई तो हमने पहला काम कांग्रेस द्वारा एससी, एसटी से छीन कर मुस्लिमों को दीया गया आरक्षण खत्म कर दीया और जिनका हक था उनका हित सुरक्षित रखा।

मोदी ने कहा, सच्चाई यह है कि जब कांग्रेस और उसका गठबंधन सत्ता में था तो ये लोग दलितों, पिछड़ों के आरक्षण में सेंधमारी कर वोट बैंक की राजनीति के लिए अपनी खास जमात को अलग से आरक्षण देना चाहते थे, जो संविधान के बिलकुल खिलाफ है। उन्होंने कहा, आरक्षण का जो हक बाबा साहब ने दलित, पिछड़ों और आदिवासियों को दीया कांग्रेस और उसका गठबंधन उसे मजहब के आधार पर मुसलमानों को देना चाहते थे।

मोदी ने कहा, मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं, क्या कांग्रेस ऐलान करेगी की संविधान में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के आरक्षण को कम कर इसे मुसलमानों को नहीं बांटेगी। वे देश की जनता से वादा करे। प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस की इन साजिशों के बीच मोदी आपको खुले मंच से गारंटी दे रहा है कि दलितों, पिछड़ों व आदिवासियों का आरक्षण खत्म नहीं होगा। ये मोदी की गारंटी है।

उन्होंने कहा कि आरक्षण की संवैधानिक सीमा 2020 में खत्म हो रही थी और मोदी ने ही दलित आदिवासियों का आरक्षण अगले 10 साल के लिए बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यह भी आरोप लगाया कि पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में लोगों का धन छीनकर अपने 'खास' लोगों को बांटने की गहरी साजिश रची है। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले बांसवाड़ा में दिए उनके 90 सेकेंड के भाषण में वोट बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति उजागर होने बाद कांग्रेस व विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में भगदड़ मच गई है।

मोदी ने कहा, मैंने देश के सामने सत्य रखा। कांग्रेस आपकी संपत्ति छीनकर अपने खास लोगों को बांटने की गहरी साजिश रचकर बैठी है। दो से तीन दिन पहले मैंने कांग्रेस की इस वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति का पर्दाफाश किया था। इससे कांग्रेस और उसके इकोसिस्टम को इतनी मिर्ची लगी है कि वो हर तरफ मुझे गालियां देने में जुटे हैं। उन्होंने कहा, मैं कांग्रेस से जानना चाहता हूं कि आखिर वह सच्चाई से इतना डरती क्यों है? कांग्रेस क्यों अपनी नीतियों को छिपाने में लगी है? जब आपने नीति बनाई है, निर्णय लिया है तो अब-जब मोदी ने राज खोलकर रख दीया है और आपका 'हिडन एजेंडा' बाहर आ गया है तो कांप रहे हो। प्रधानमंत्री ने कहा, अरे हिम्मत है तो स्वीकार करो, हम आपसे मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। ये बात देश को साफ-साफ बताना चाहता हूं कि कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति के दलदल में इतना धंसी हुई है कि उसे बाबा साहब के संविधान की भी परवाह नहीं है। उन्होंने कहा, आपको पता होगा उन्होंने घोषणा पत्र में लिखा है कि आपकी संपत्ति का सर्वे करेंगे, हमारी माताओं-बहनों के पास जो स्त्री धन होता है, मंगलसूत्र होता है उसका सर्वे करेंगे। फिर उनके एक नेता ने तो भाषण में कहा 'एक्स रे' किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ दिन पहले कर्नाटक में एक दुकानदार को सिर्फ इसलिए पीटा गया क्योंकि वह अपनी दुकान में हनुमान चालीसा सुन रहा था। उन्होंने कहा, आप कल्पना कर सकते हैं ...कांग्रेस के राज में हनुमान चालीसा सुनना भी गुनाह हो जाता है। कांग्रेस के राज में अपनी आस्था का पालन करना भी मुश्किल हो जाता है। राजस्थान तो खुद इसका भुक्तभोगी रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में रामनवमी की शोभायात्रा पर पत्थरबाजी करने वालों को सरकारी संरक्षण दीया गया था और रामनवमी पर प्रतिबंध लगा दीया था। मोदी ने कहा, इसी कांग्रेस पार्टी ने तुष्टिकरण के लिए मालपुरा, करौली, छबड़ा, टोंक और जोधपुर को दंगों की आग में झोंक दीया था। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद किसी की हिम्मत नहीं है कि आपकी आस्था पर सवाल उठा दे। उन्होंने कहा, अब आप चैन से हनुमान चालीसा भी गाएंगे और रामनवमी भी मनाएंगे, ये भाजपा की गारंटी है।

मोदी ने देशवासियों को दी हनुमान जयंती की शुभकामनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोंक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान हनुमान की जयंती पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। मोदी ने मंगलवार को राजस्थान में टोंक जिले के उनियारा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित जनसभा में बोलते हुए हनुमान जयंती की देश के लोगों को शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा आज रामभक्त हनुमान जयंती का पवित्र दिन है और पूरे देश को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं। मैं आप लोगों का आभारी हूं कि मुझे गदा देकर बजरंगबली की जय करने का अवसर दे दीया। महावीर, वीरों के वीर बजरंग बली की जयंती पर मेरा सौभाग्य हैं कि मुझे शूरवीरों की धरती सवाईमाधोपुर आने का मौका मिला है।

उन्होंने कहा चुनाव के दिन है एक दिन में दो तीन राज्य में जाना होता है, इसलिए सभा का समय पहले से तय होता है लेकिन इस सभा में हुजूम का हुजूम आ ही रहा है, पूरा जुलूस आ रहा है, मुझे लगता हैं कि मेरी सभा पूरी होने के बाद भी लोग आते रहते हैं जो पहुंच नहीं पाये है और रास्ते में है उनके लिए मैं क्षमा मांगता हूं क्योंकि मैं इंतजार नहीं कर सकता, मुझे आगे भी जाना पड़ेगा। मोदी ने कहा मैं लोगों का यह उत्साह देख रहा हूं कि जो एक मजबूत भारत के लिए आर्शीवाद है, इसलिए हर तरफ एक ही गूंज हैं फिर एक बार मोदी सरकार।

पुलिस जीप पर पलटा ट्रोला, तीन पुलिसकर्मियों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के नीमकाथाना जिले में मंगलवार को रोडी से भरा एक ट्रोला (भारी वाहन) अनियंत्रित होकर पुलिस जीप पर पलट गया, जिसमें तीन पुलिसकर्मियों की दबकर मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक अनुज दल ने बताया कि हादसा रामपुरा घाटी के निकट उस समय हुआ, जब हनुमान मंदिर के दर्शन कर लौट रहे पुलिसकर्मियों की जीप पर रोडी से भरा अनियंत्रित ट्रोला पलट गया। उन्होंने बताया कि हादसे में दो पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक घायल पुलिसकर्मी ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दीया।

अधिकारी ने बताया कि मृतक पुलिसकर्मियों की पहचान हैड कांस्टेबल शीशराम, चालक भंवरलाल और कांस्टेबल महिपाल के रूप में हुई है, जो पाटन थाने में तैनात थे।

राजस्थान में गर्मी बढ़ने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में बढ़ती गर्मी लोगों के लिए मुश्किल का सबब बनती दिखाई दे रही है। राज्य में बीते चौबीस घंटे के अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हुई है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो से तीन दिन में अधिकतम तापमान दो से तीन डिग्री और बढ़ने की संभावना है। जयपुर स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, पिछले 24 घंटों में राज्य के कई स्थानों पर अधिकतम तापमान 37-39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक, बीते चौबीस घंटे में बाड़मेर में अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 0.9 डिग्री कम है। विभाग के मुताबिक, आने वाले दो से तीन दिनों में ज्यादातर भागों में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है।

राज्य के जोधपुर, कोटा संभाग में 25 और 26 अप्रैल को अधिकतम तापमान 41 से 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किए जाने की संभावना है।

राजस्थान में दूसरे चरण के मतदान के लिए 99.15% मतदाता पर्चियां बांटी

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के तहत होने वाले मतदान के लिए अब तक 99.15 प्रतिशत मतदाता पर्चियां बांटी जा चुकी हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि दूसरे चरण के अंतर्गत 13 लोकसभा सीट पर मतदान होना है, जिसके लिए सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता पर्ची (वोटर स्लिप) एवं मार्गदर्शिका (वोटर गाइड) बांटी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत अब तक 99.15 प्रतिशत मतदाता पर्चियां एवं 99.49 प्रतिशत मतदाता मार्गदर्शिका वितरित की जा चुकी है।

गुप्ता ने बताया कि 'आओ बूथ चलें' अभियान के तहत दूसरे चरण के लिए कुल 2,73,13,870 मतदाता पर्चियां जबकि 64,63,534 मतदाता मार्गदर्शिका बांटी जा चुकी हैं।

भीनमाल में वैभव गहलोत ने किया पैदल जनसंपर्क

जालोर। जालोर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत ने सोमवार को भीनमाल शहर के मुख्य बाजार में व्यापारियों और आमजन से जनसंपर्क किया। वैभव ने आमजन से 26 अप्रैल, शुक्रवार को कांग्रेस के समर्थन में मतदान करने की अपील भी की। इससे पहले वैभव रिद्धि-सिद्धि पार्श्वनाथ मन्दिर पहुंचे और आशीर्वाद लिया।

महावीर चौक स्थित चुनाव कार्यालय से शुरु हुए जनसंपर्क के दौरान बड़ी संख्या में युवाओं और स्थानीयजन ने पुष्पमालाओं से वैभव गहलोत का स्वागत किया। जनसंपर्क के दौरान उन्होंने भीनमाल शहर के माघ चौक, पीपली चौक, सदर बाजार, शिव शक्ति मार्केट, नेहरू मार्केट, गणेश चौक, चार भुजा रोड, जीनगर मोहल्ला क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मोमाजी मंदिर, वराह श्याम मंदिर, गणेश मंदिर में दर्शन कर धोक लगाई। जनसंपर्क के दौरान वैभव गहलोत ने कहा कि सिरोही-जालोर क्षेत्र को एजुकेशन हब बनाने के लिए यहां केंद्रीय विश्वविद्यालय खुलवाने का प्रयास करूंगा। साथ ही हर साल 20 नए स्टार्टअप खोलकर लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास करूंगा। वैभव ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने हर क्षेत्र में विकास का काम किया है। चाहे वह चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना हो या कोरोना मैनेजमेंट का भीलवाड़ा मॉडल, पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यों को देश-विदेश में तारीफ मिली है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि, कांग्रेस जनता की सरकार है, जन कल्याण के कार्य करती है।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी आज भीलवाड़ा शहर में करेगी रोड शो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी 24 अप्रैल को भीलवाड़ा विधानसभा अंतर्गत शहर के मुख्य बाजारों में रोड शो कर भाजपा लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में सघन जनसंपर्क द्वारा भाजपा के पक्ष में मतदान के साथ भीलवाड़ा लोकसभा सीट पर भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाने की अपील करेंगी। इस अवसर पर लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल भी उनके साथ रहेंगे। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदीया ने बताया कि रोड शो एवं जनसंपर्क कार्यक्रम में सांसद, जिलाध्यक्ष,विधायक,पूर्व विधायक, नगर परिषद सभापति,विधानसभा प्रभारी,संयोजक भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी का रोड शो एवं जनसंपर्क कार्यक्रम 24 अप्रैल बुधवार को प्रातः 9.00 बजे दूधाधारी गोपाल मंदिर, सांगानेरी गेट से प्रारंभ होकर शहीद चोक,धानमंडी,बड़ा मंदिर, सर्राफा बाजार,गुलमंडी,भोपाल क्लब चोराहा,नया बाजार,सुभाष मार्केट,गोल प्याऊ चोराहा,सदर बाजार होते हुए रेलवे स्टेशन चोराहा स्थित अंबेडकर सर्किल पर संपन्न होगा। भारतीय जनता पार्टी के प्रताप मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह जादौन,शास्त्री मंडल अध्यक्ष पीयूष डाड,गणेश मंडल अध्यक्ष घनश्याम सिंगीवाल,सुभाष मंडल अध्यक्ष मनीष पालीवाल ने ज्यादा से ज्यादा संख्या में शहरवासियों से रोड शो एवं जनसंपर्क कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाने की अपील की है। कार्यक्रम में भीलवाड़ा शहर के समस्त जनप्रतिनिधि, पूर्व जनप्रतिनिधि, जिला एवं मंडल के वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारी, मोर्चा एवं प्रकोष्ठ पदाधिकारी, पार्षद एवं पूर्व पार्षद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं शहर के गणमान्य नागरिक एवं प्रबुद्ध जन उपस्थित रहेंगे।

मेहंदीपुर बालाजी में हनुमान जी को पंडितों ने पंचामृत स्नान कराकर सोने का चोला चढाया

दौसा। जिले में हनुमान जन्मोत्सव मंगलवार को श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हनुमान मंदिरों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। बालाजी महाराज की झांकियां सजाई गई और भोग प्रसादी हुई। जिला मुख्यालय पर हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

श्री राम सत्संग मंडल के तत्वावधान में बजरंग मैदान से सुबह गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा रवाना हुई। जो खादी भंडार रोड, लालसोट रोड, नया कटला, मानगंज, नई मंडी रोड, सैंथल मोड़ होते हुए मोड़ा रायपुर बालाजी मंदिर पहुंची। इस बीच लोगों ने जगह-जगह शोभा यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। मोड़ा बालाजी मंदिर में हरि कीर्तन, सामूहिक हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठ का आयोजन भी हुआ।

मेहंदीपुर बालाजी में पंडितों ने पंचामृत स्नान कराकर बालाजी महाराज को सोने का चोला चढाया।

बाड़मेर-जैसलमेर संसदीय क्षेत्र में त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाड़मेर। राजस्थान में लोकसभा चुनाव में सीमांत बाड़मेर-जैसलमेर संसदीय क्षेत्र में इस बार विधायक रविन्द्र सिंह भाटी के निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में उतर जाने से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी एवं केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी और कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल के साथ त्रिकोणीय मुकाबला होने के आसार नजर आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में छब्बीस अप्रैल को इस क्षेत्र में होने वाले चुनाव में इन तीनों प्रत्याशियों के अलावा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रत्याशी लीलाराम एवं आजाद समाज पार्टी (कांसीराम) के उम्मीदवार प्रभूराम एवं अन्य छह निर्दलीय प्रत्याशियों सहित कुल 11 उम्मीदवार चुनाव मैदान में अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं लेकिन मुकाबला चौधरी, भाटी एवं बेनीवाल के बीच ही माना जा रहा है।

इस क्षेत्र में जैसलमेर, शिव, बाड़मेर, बायतू, पचपदरा, सिवाना, गुडामालानी एवं चौहटन (सु) आठ विधानसभा क्षेत्र आते हैं जहां पांच विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा के विधायक है जबकि दो में निर्दलीय और एक विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस का विधायक है। इनमें भी बाड़मेर से निर्दलीय विधायक डा प्रियंका चौधरी भाजपा के साथ खड़ी नजर आ रही हैं। ऐसे में राजनीतिक रुप से भाजपा की स्थिति मजबूत मानी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में बाड़मेर में जनसभा कर चुके हैं। इसके अलावा फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत भी बुधवार को बाड़मेर एवं जैसलमेर में रोड़ शो करेगी। इसी तरह बेनीवाल के समर्थन में कांग्रेस नेता प्रचार कर रहे हैं। गत विधानसभा चुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर शिव से निर्दलीय चुनाव लड़कर विधायक बने भाटी ने लोकसभा चुनाव में भी निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में ताल ठोक देने से यहां त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति बन गई हैं।

बाड़मेर-जैसलमेर संसदीय क्षेत्र में आजादी के बाद से अब तक हुए सत्रह चुनावों में सर्वाधिक नौ बार कांग्रेस ने बाजी मारकर अपना राजनीतिक दबदबा कायम किया वहीं भाजपा के उम्मीदवार यहां से तीन बार चुनाव जीत पाये हैं जबकि दो निर्दलीय एवं एक-एक बार जनता पार्टी, जनता दल एवं राम राज्य परिषद पार्टी का उम्मीदवार चुनाव जीतकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया हैं।

क्षेत्र में सर्वाधिक चार बार चुनाव जीतने का गौरव कर्नल सोनाराम चौधरी के नाम हैं जिन्होंने वर्ष 1996, 1998 एवं 1999 में कांग्रेस प्रत्याशी एवं वर्ष 2014 में भाजपा उम्मीदवार के रुप में सांसद बनकर संसद पहुंचे। कांग्रेस के अमृत नाहटा वर्ष 1967 एवं 1971 में इस क्षेत्र से दो बार सांसद चुने गए। इसी तरह कांग्रेस के वृद्धि चंद जैन ने वर्ष 1980 में कांग्रेस (आई) एवं वर्ष 1984 में कांग्रेस प्रत्याशी के रुप में चुनाव जीता जबकि वर्ष 1991 का चुनाव कांग्रेस उम्मीदवार रामनिवास मिर्धा ने जीता। इस क्षेत्र में भाजपा का खाता वर्ष 2004 के चुनाव में खुला जब पार्टी प्रत्याशी मानवेन्द्र सिंह चुनाव जीते। इसके बाद भाजपा का उम्मीदवार 2014 में कर्नल सोनाराम एवं वर्ष 2019 के चुनाव में कैलाश चौधरी चुनाव जीतकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 2009 में कांग्रेस के हरीश चौधरी ने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया जबकि वर्ष 1989 में जनता दल के प्रत्याशी कल्याण सिंह कालवी एवं वर्ष 1977 में तन सिंह विजयी रहे और उन्होंने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। तन सिंह ने इससे पहले वर्ष 1962 का चुनाव भी राम राज्य परिषद प्रत्याशी के रुप में जीता।

तृणमूल के भ्रष्टाचार और 'कट मनी' की संस्कृति को रोकेगी भाजपा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करनदिघी (पश्चिम बंगाल)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को भ्रष्टाचार और घुसपैठ के मुद्दों को लेकर तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि केवल भाजपा ही राज्य में तृणमूल कांग्रेस के कुशासन को समाप्त कर सकती है।

रायगंज निर्वाचन क्षेत्र के करनदिघी में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल से 35 लोकसभा सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। शाह ने मालदा में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आज एक रोड शो भी किया। रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने कल एक फैसला सुनाया, जिसमें हजारों नियुक्तियों (2016 शिक्षक भर्ती परीक्षा के माध्यम से की गई) को रद्द कर दिया गया। यह शर्म की बात है कि नौकरियां लाखों रुपए में बेची गईं। पश्चिम बंगाल में यह 'कट-मनी' (कमीशन) संस्कृति और भ्रष्टाचार समाप्त होना चाहिए। तृणमूल इसे कभी नहीं रोक सकती, केवल भाजपा ही इसे रोक सकती है।

कांग्रेस के नेताओं की सत्ता में आने पर सीएए को रद्द करने संबंधी टिप्पणी पर शाह ने कहा, न तो कांग्रेस और न ही ममता बनर्जी सीएए को छूने की हिम्मत कर सकती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और ममता बनर्जी सीएए के खिलाफ हैं, क्योंकि वे घुसपैठियों की मदद करना चाहते हैं।

भाजपा नेता ने कहा, वे कानून का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि इससे हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता पाने में मदद मिलेगी। केंद्र ने पिछले महीने संशोधित नागरिकता

अधिनियम (सीएए), 2019 लागू किया था। संसद द्वारा यह कानून पारित किए जाने के चार साल बाद इससे संबंधित नियमों को अधिसूचित किया गया था। यह कानून पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 से पहले बिना दस्तावेजों के भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को तेजी से नागरिकता प्रदान करने के लिए बनाया गया था। उत्तर 24 परगना के संदेशखालि में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ यौन शोषण के मामलों के सामने आने की हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि यह शर्म की बात है कि ममता बनर्जी ने एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद दोषियों को बचाने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया, वर्षों तक आपकी (ममता बनर्जी) नाक के नीचे अत्याचार होता रहा। तुष्टीकरण के माध्यम से कुछ वोट पाने के लिए आप संदेशखालि के अपराधियों को बचा रही हैं।

मालदा में शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि तृणमूल शासन के तहत पश्चिम बंगाल में घुसपैठ बेरोकटोक जारी है। उन्होंने कहा, तृणमूल कांग्रेस के शासन में घुसपैठ बेरोकटोक जारी है। ममता दीदी सीएए का विरोध कर रही हैं और शरणार्थियों को नागरिकता नहीं मिलने दे रही हैं। अगर आप घुसपैठ और भ्रष्टाचार रोकना चाहते हैं, तो भाजपा को वोट दें।

रोड शो अपराह्न करीब एक बजे मालदा दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र में प्रधान डाकघर मोड़ से रवीन्द्र प्रतिमा तक हुआ।

फूलों और पार्टी के बैनरों से सजी गाड़ी के ऊपर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के नेताओं के साथ खड़े शाह को भीड़ की ओर हाथ हिलाते देखा गया। भाजपा समर्थकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और शाह की प्रशंसा में नारे लगाए। सड़क के दोनों ओर सैकड़ों लोग जमा थे। इस सीट पर तीसरे चरण में सात मई को मतदान होगा।

'पाक समर्थक देशद्रोहियों' से वोट नहीं मांगूंगा : गिरिराज सिंह ने शिकायत के बाद फिर दोहराया

बेगूसराय/भाषा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को एक बार फिर कहा कि वह खुले तौर पर कह रहे हैं कि वह बेगूसराय लोकसभा क्षेत्र में ''पाकिस्तान समर्थक देशद्रोहियों'' से वोट नहीं मांगेंगे।

गिरिराज सिंह भाजपा उम्मीदवार के तौर पर एक बार फिर से बेगूसराय लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। दो दिन पहले ही भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की बिहार इकाई ने निर्वाचन आयोग से घृणा भाषण को लेकर गिरिराज सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

केंद्रीय मंत्री ने 19 अप्रैल को बेगूसराय में चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर कहा था कि वह 'पाकिस्तान समर्थक राष्ट्र-विरोधियों' और जिन्हें 'राष्ट्रवाद से समस्या है' उनसे वोट नहीं मांगेंगे।

जब पत्रकारों ने आयोग से शिकायत के संबंध में सिंह से प्रतिक्रिया मांगी, तो उन्होंने कहा, मैं इसे एक बार फिर दोहरा रहा हूं कि मैं अपने चुनाव अभियान के दौरान पाकिस्तान समर्थक राष्ट्र-विरोधियों और उन लोगों से अपने लिए वोट नहीं मांगूंगा जिन्हें राष्ट्रवाद से समस्या है।

'लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ पीएम मोदी का अभियान तेज होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टीकमगढ़ (मप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे.पी.नड्डा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 'इंडिया' गठबंधन 'परिवारवादी और भ्रष्ट' पार्टियों का एक समूह है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चार जून को लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद तेज हो जाएगा।

नड्डा मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ लोकसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार के समर्थन में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि कोयला, दूरसंचार, पनडुब्बी और अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले सहित कई घोटाले पिछले कांग्रेस शासन के दौरान हुए थे। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी विकास कार्यों में लगे हुए हैं, जबकि दूसरी ओर विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन है जो 'परिवारवादी और भ्रष्ट दलों' का एक समूह है।

नड्डा ने कहा, सभी घोटालेबाज एक-दूसरे को बचाने के लिए एक साथ आ गए। जब उनकी रैलियां आयोजित की जाती हैं, तो वे दो कुर्सियां खाली रखते हैं। वे कहते हैं, ये हमारे मुख्यमंत्रियों के लिए कुर्सियां हैं जो जेल में हैं। चार जून का इंतजार करें, भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी जी का अभियान शुरू होगा। यह अधिक तीव्र होगा और लोगों को दंडित किया जाएगा।

शर्मनाक स्थिति में फंसे भाजपा उम्मीदवार, उन पर हमले के लिए पार्टी कार्यकर्ता जिम्मेदार पाया गया

कोल्लम (केरल)/भाषा। केरल के कोल्लम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा उम्मीदवार जी कृष्णकुमार एक शर्मनाक स्थिति में फंस गए हैं, क्योंकि चुनाव प्रचार के दौरान उनकी आंख में जो लगी चोट थी उसके लिए भाजपा के एक स्थानीय नेता को जिम्मेदार पाया गया है।

कृष्णकुमार ने हाल ही में कुंडरा पुलिस में एक शिकायत दर्ज करायी थी जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें संदेह है कि उनके राजनीतिक विरोधियों ने उन पर एक 'शक्तिशाली हथियार से हमला किया। हालांकि पुलिस ने पाया कि कृष्णकुमार को स्थानीय भाजपा नेता सनल पुथनविला की स्कूटर की चाबी से आंख में चोट लग गई। पुथनविला को सोमवार को गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया।

कृष्णकुमार ने 22 अप्रैल को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया था, कुंद्रा, कोल्लम, केरल में अपने लोकसभा प्रचार अभियान के दौरान मेरी आंख में चोट लग गई (विपक्षी दलों द्वारा हमले का संदेह है)। इस दौरान आपकी प्रार्थनाएं और समर्थन मेरे लिए सब कुछ है। पुलिस ने कहा कि उम्मीदवार की शिकायत के आधार पर जांच की गई और यह पाया गया कि चोट के लिए भाजपा कार्यकर्ता जिम्मेदार था। भाजपा कार्यकर्ता को भारतीय दंड संहिता की धारा 324 के तहत गिरफ्तार किया गया था। कृष्णकुमार ने अभी तक इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

भगवान राम के चित्र वाली प्लेट में बिरयानी परोसेने की शिकायत पर दुकानदार को हिरासत में रखा गया : पुलिस

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने इस शिकायत के बाद एक व्यक्ति को कुछ समय के लिए हिरासत में लिया कि उसने उत्तर पश्चिमी दिल्ली के जहांगीरपुरी में एक बार इस्तेमाल होने वाली (डिस्पोजेबल) ऐसी प्लेटों में बिरयानी बेची थी जिन पर कथित तौर पर भगवान राम की तस्वीर थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला कि दुकानदार ने एक कारखाने से 1000 प्लेट खरीदी थीं और उनमें से केवल चार पर भगवान राम का चित्र था। अधिकारी ने कहा, उसने हमें बताया कि उसे प्लेटों पर भगवान राम के चित्र की जानकारी नहीं थी और कारखाना मालिकों ने भी इस बात की पुष्टि की है। दिल्ली पुलिस को शनिवार शाम को जहांगीरपुरी इलाके से किसी का फोन आया था कि एक व्यक्ति भगवान राम के चित्र वाली प्लेटों में बिरयानी बेच रहा है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, जब टीम मौके पर पहुंची तो कुछ लोग दुकान के बाहर प्रदर्शन करते दिखाई दिए। उन्हें मामले में उचित जांच का आश्वासन देकर शांत किया गया। उन्होंने कहा कि दुकान को पहले आईपीसी की धाराओं 107/151 के तहत हिरासत में लिया गया और बाद में छोड़ दिया गया। अधिकारी ने बताया कि प्लेट भी जब्त कर ली गईं।

कांग्रेस और राहुल गांधी ने हमेशा सनातन व हिंदुत्व को कमजोर करने का काम किया : स्मृति ईरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी (उप्र)/भाषा। केंद्रीय मंत्री और अमेठी से भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस सनातन व राष्ट्र विरोधी हैं और उन्होंने हमेशा सनातन तथा हिंदुत्व को कमजोर करने का काम किया।

स्मृति ईरानी ने अमेठी संसदीय क्षेत्र के जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र के गोसाईं, डोमाडीह, थौरी, रानीगंज में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस ने हमेशा सनातन और हिंदुओं को कमजोर करने

का काम किया है। ईरानी ने कहा, ये (कांग्रेस और राहुल) हिंदुत्व का विरोध करते-करते प्रभु रामज का भी विरोध कर बैठे। इन्होंने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का न्योता भी ठुकरा दिया, इसलिए जो राम का नहीं वह किसी काम का नहीं। उन्होंने कहा, ये लोग सनातन विरोधी ही नहीं राष्ट्र विरोधी भी हैं। राहुल हों या प्रियंका या फिर कांग्रेस, सभी ने अपनी पार्टी का उम्मीदवार उस व्यक्ति को बनाया, जिसने भारत के टुकड़े-टुकड़े करने की बात कही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अमेठी में विकास कार्यों का दावा करते हुए स्मृति ने यह आरोप लगाया कि गांधी परिवार ने अमेठी के विकास के लिए कुछ भी नहीं किया। भाजपा ने ईरानी को अमेठी से तीसरी बार उम्मीदवार बनाया है। स्मृति ईरानी ने 2019 लोकसभा चुनाव में अमेठी में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को पराजित किया था। कांग्रेस ने अमेठी लोकसभा क्षेत्र से अब तक अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। अमेठी में पांचवें चरण के अंतर्गत 20 मई को मतदान होगा।

तेजस्वी में अपने पिता के जैसा धैर्य नहीं : पप्पू यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पूर्णिया (बिहार)/भाषा। बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट से बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने मंगलवार को राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उनमें अपने पिता लालू प्रसाद जैसा 'धैर्य' नहीं है।

पप्पू यादव ने यह टिप्पणी तब की, जब संवाददाताओं ने तेजस्वी यादव के भाषणों की ओर उनका ध्यान आकृष्ट किया। तेजस्वी पूर्णिया में राजद उम्मीदवार बीमा भारती के लिए जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं। पूर्णिया सीट से

फिलहाल जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता संतोष कुशवाहा सांसद हैं। पप्पू यादव 1990 के दशक में इस सीट से तीन बार जीत दर्ज कर चुके हैं, अब वह बतौर निर्दलीय चुनावी मैदान में होने के बावजूद प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने सोमवार को आयोजित रैली में कहा, चुनाव 'इंडिया' गठबंधन और राजग के बीच करना है। अगर आप बीमा भारती (राजद उम्मीदवार) का समर्थन नहीं करते, माना जाएगा कि आप राजग के साथ हैं। तेजस्वी की इस टिप्पणी का एक वीडियो क्लिप वायरल हो गया है। राजनीतिक टिप्पणीकार इस कथन को तेजस्वी यादव की हताशा के संकेत के रूप में देख रहे हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने पप्पू यादव की पूर्णिया से 'इंडिया' गठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने की कोशिश को नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई। पप्पू यादव ने कहा, वह इतने अधीर क्यों हो जाते हैं? ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें अपने पिता से धैर्य विरासत में नहीं मिला है।

कांग्रेस धर्म से परे समाज के हर वर्ग को न्याय दिलाना चाहती है: चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य भाजपा नेताओं को चुनौती दी कि वे कांग्रेस के घोषणापत्र में एक पैराग्राफ ऐसा दिखाएं जिसमें 'तुष्टीकरण' झलकता हो।

वह कांग्रेस के खिलाफ मोदी और भाजपा के इन आरोपों का जवाब दे रहे थे कि पार्टी के घोषणापत्र से तुष्टीकरण की झलक मिलती है और यदि पार्टी सत्ता में आई तो वह लोगों की संपदा का समान बंटवारा करेगी और मुसलमानों को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों के लिए निर्धारित आरक्षण से कोटा प्रदान करेगी।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी पार्टी के घोषणापत्र में इस बात को रेखांकित किया गया है कि सामाजिक और आर्थिक असमानता है और पार्टी का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को न्याय दिलाना है, चाहे वे किसी भी धर्म के हों। चिदंबरम ने कहा, प्रधानमंत्री से पूछिए कि घोषणापत्र में एक पैराग्राफ बताएं जिससे यह निष्कर्ष निकलता हो कि हम किसी वर्ग का तुष्टीकरण कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, सबसे प्रभावित लोग अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और गरीब वर्ग के हैं, चाहे वे किसी भी धर्म के हों। इसका मतलब है गरीब हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और सिख। हम कह रहे हैं कि हम हर वर्ग को न्याय दिलाएंगे। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, अगर न्याय दिलाना तुष्टीकरण समझा जाता है तो ऐसा ही सही। चिदंबरम ने कहा कि लोगों को कांग्रेस का घोषणापत्र प्रभावशाली लगा है और इस वजह से भाजपा को ईर्ष्या हो रही है क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के घोषणापत्र में 'कुछ भी नहीं' है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के घोषणापत्र पर देशभर में बात हो रही है, वहीं भाजपा के घोषणापत्र पर कोई बात नहीं कर रहा जो घोषणापत्र है भी नहीं क्योंकि इसका नाम ही है 'मोदी की गारंटी'। मोदी के 400 से अधिक सीट जीतने के दावे पर कांग्रेस नेता ने दावा किया कि भाजपा तमिलनाडु में 25 सीटों पर और केरल में 20 सीटों पर चुनाव लड़

'फोन-टैपिंग मामले में गिरफ्तारी के डर से फडणवीस ने शिवसेना के विभाजन की योजना बनाई'

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने मंगलवार को दावा किया कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कथित फोन-टैपिंग मामले में गिरफ्तारी के डर से शिवसेना को विभाजित करने की योजना बनाई। राउत ने दावा किया कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को लोकसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नई सरकार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ बंद किए गए मामलों की जांच करेगी।

राउत ने कहा कि जब 2019 से 2022 तक उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाला महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन सत्ता में था, तब भाजपा नेताओं प्रवीण दरेकर, प्रसाद लाड, आशीष शेलार और गिरीश महाजन के खिलाफ विभिन्न मामलों में जांच जारी थी। उन्होंने कहा, (यदि) आप हमारे नेताओं को गिरफ्तार कर सकते हैं, तो क्या हम आपके राजनीतिक दल के नेताओं को नहीं छू सकते। देवेंद्र फडणवीस पर विरोधियों के फोन टैप कराने का गंभीर आरोप लगा।

भाजपा नेताओं के भाषणों से दिखने लगे हैं चुनाव परिणामों के रुझान : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने हाल ही में हुए लोकसभा के पहले चरण के चुनाव में भाजपा की हालत खराब होने का दावा करते हुए कहा कि भाजपा नेताओं के भाषणों से चुनाव परिणामों के रुझान दिखायी देने लगे हैं।

उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) की सरकार बनने पर गरीबों को इस वक्त मिल रहा राशन तो मिलेगा ही, साथ-साथ उन्हें पौष्टिक खाद्यान्न सामग्री और मुफ्त में मोबाइल डेटा उपलब्ध कराया जाएगा। यादव ने अलीगढ़ और हाथरस से 'इंडिया' गठबंधन के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हालिया चुनावी भाषणों का जिक्र करते हुए कहा, वैसे चुनाव के रुझान तो बाद में आते हैं लेकिन अभी दिल्ली वालों का और लखनऊ वालों का भाषण आपने सुना होगा। जो लोग सत्ता से बाहर जाने वाले हैं उनके भाषणों में चुनाव के परिणाम का रुझान दिखाई देने लगा है।

केंद्र में सरकार बदलने पर हट सकती है उत्तर प्रदेश की भी सरकार : डिंपल

इटावा (उप्र)/भाषा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी और मैनपुरी लोकसभा सीट से सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने कहा कि भाजपा की मौजूदा सरकार को हटाने की जिम्मेदारी युवाओं की है और केंद्र में भाजपा की सरकार हटने के बाद उत्तर प्रदेश में भी इस पार्टी की सरकार हट सकती है। मैनपुरी से मौजूदा सांसद डिंपल ने जनसभा में कहा, 2024 का लोकसभा चुनाव कहीं ना कहीं संविधान और लोकतंत्र को बचाने का भी चुनाव है। समाज का हर वर्ग खुद को उपेक्षित महसूस कर रहा है। भाजपा के लोग झूठी बातें फैलाते हैं। अब पूरा प्रदेश और देश जान गया है कि यह झूठ और लूट की सरकार है।

डिंपल ने कहा, हमें यह चुनाव बहुत बारीकी के साथ-साथ चालाकी से भी लड़ना है। हमारा उद्देश्य यही होना चाहिए कि जो सरकार संविधान को मिटाना चाहती है और संविधान के माध्यम से हमें मिलने वाले राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक अधिकारों और सम्मान को छीनना चाहती है, उसको हटाने का यह सही समय है।

हमें गेंद और बल्ले दोनों से थोड़ा सुधार करने की जरूरत: डेविड वार्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को यह स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि टीम के पास मौजूदा आईपीएल में प्ले ऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए अपने बाकी बचे सभी मैच जीतने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

अपने आठ में से पांच मैच हारने के बाद दिल्ली की नजरें बुधवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी।

वार्नर ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, टीम की खातिर हमें जहां होना चाहिए हम वहां नहीं हैं। हम कुछ और मैच जीतना पसंद करते। लेकिन फाइनल में चुनौती पेश करने के लिए बेशक हमें बाकी बचे मैच जीतने होंगे। उन्होंने कहा, इसलिए हमारे लिए यह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के बारे में है। उम्मीद है कि हम प्रत्येक मैच वैसे ही खेल सकेंगे जैसे हम गुजरात के खिलाफ खेले थे।

ऑस्ट्रेलिया के इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा, हमें बल्ले और गेंद दोनों से थोड़ा सुधार करना होगा। अगर हम कुल स्कोर को कम रखने में सफल रहे तो यह बहुत अच्छा होगा। और फिर अगर हम पहले बल्लेबाजी करते हैं तो कोशिश करें कि बड़ा स्कोर बनाएं और इसका बचाव करें।

वार्नर ने कहा कि दिल्ली के पास खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण है जिसने पहले चरण के मैच में गुजरात टाइटंस को 89 रन पर आउट कर दिया था। उन्होंने कहा, लोग जिस तरह से ट्रेनिंग और तैयारी कर रहे हैं उसमें कोई गलती नहीं है। मैचों में कभी-कभी ऐसा होता है कि आप चीजों को लागू नहीं कर पाते और हम जानते हैं कि जब हम शुरुआत में विकेट चटकाते हैं तो हमारा गेंदबाजी आक्रमण बहुत खतरनाक हो जाता है।

वार्नर से जब मौजूदा सत्र में प्रभावित करने वाले दो युवा खिलाड़ियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, जेक (जेक फ्रेजर-मैकगर्क) बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। हम जानते हैं कि उनके पास हमेशा से प्रतिभा थी। अभिषेक पोरेल भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है।

ओलंपिक भार वर्ग में विश्व चैम्पियन बनना शानदार था : लवलीना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की शीर्ष मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन अपने नैसर्गिक भार वर्ग में बदलाव और 75 किग्रा वर्ग में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने को लेकर आश्वस्त हैं। असम की इस खिलाड़ी ने टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने के बाद चुनौतीपूर्ण समय का सामना किया क्योंकि वह विश्व चैम्पियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों से जल्दी बाहर हो गई थी।

लवलीना पहले 69 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करती थी लेकिन ओलंपिक से इस भार वर्ग को हटाने के बाद उन्होंने 75 किग्रा वर्ग में खेलना शुरू किया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस भारतीय मुक्केबाज ने 2022 एशियाई चैंपियनशिप और 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के साथ-साथ पिछले साल एशियाई खेलों में रजत पदक जीता है। लवलीना ने कहा, वजन में बदलाव के बाद कुल मिलाकर मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा है। ओलंपिक वर्ग में विश्व चैम्पियनशिप जीतना बहुत बड़ी बात थी। मुझे पहले (69 किग्रा के लिए) वजन नियंत्रित करना पड़ता था लेकिन अब मैंने इस वजन से सामंजस्य बिठा लिया है। मैंने प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और अच्छा प्रदर्शन किया है। लवलीना का वजन आमतौर पर 70 से 75 किग्रा के बीच रहता है ऐसे में उन्हें टूनर्मिंटों से पहले वजन घटाने के लिए अतिरिक्त मेहनत नहीं करनी पड़ती।

सुविचार

मैंने जिन्दगी से पूछा, सबको इतना दर्द क्यों देती हो ? जिन्दगी ने हंसकर जवाब दिया, मैं तो सबको ख़ुशी ही देती हूँ, पर एक की ख़ुशी दुसरे का दर्द बन जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पीओके में आक्रोश का लावा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सिलीगुड़ी में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए पीओके के बारे में जो बयान दिया, उसके गहरे मायने हैं। बेशक आज पीओके में हालात बदतर हो चुके हैं। जो लोग किसी भी कारणवश 'उस तरफ' रह गए, आज जब वे जम्मू-कश्मीर के बारे में पढ़ते-सुनते हैं तो अपनी किस्मत को कोसते हैं। पीओके को पाकिस्तान सरकार कोई सुविधा नहीं देती, जबकि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटने के बाद बड़े स्तर पर विकास कार्य हो रहे हैं। पीओके में महंगाई अत्यंत चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। वहीं, जम्मू-कश्मीर में तुलनात्मक रूप से चीजें काफी सस्ती हैं। पाकिस्तानी मीडिया ने दशकों तक पीओके के निवासियों के मन में भारत से नफरत का जहर भरा था। लोगों को इतना भ्रमित किया कि वे झूठ को ही हकीकत मान बैठे थे, लेकिन सोशल मीडिया के प्रचार-प्रसार ने कई भ्रम दूर कर दिए। खासतौर से यूट्यूब एक ऐसा मंच बनकर उभरा है, जिसने पीओके समेत पाकिस्तान के हर गांव-शहर में लोगों को सोचने को मजबूर कर दिया है। पीओके में कई परिवार ऐसे हैं, जिनके रिश्तेदार जम्मू-कश्मीर या लद्दाख में रहते हैं। वे उनसे रोज़मर्रा की ज़िंदगी में इस्तेमाल होने वाली चीजों की कीमतें जानकर अपना सिर पकड़ लेते हैं, क्योंकि इससे उन्हें पता चलता है कि भारत से नफरत के नाम पर पाकिस्तान की सरकार और फौज ने उनकी जेबें काटने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भारत में आलू, टमाटर, प्याज, मिर्च, गाजर, मूली जैसी सब्जियों और आटा, चावल, दाल, तेल, घी, चाय जैसी चीजों की कीमतें जानकर वे कहते हैं कि भारत, खासकर जम्मू-कश्मीर के लोग 'जन्नत' में रह रहे हैं। पीओके में लोग चौगुने दाम पर आटा लेने के लिए लाइनों में लगे हुए हैं, जबकि जम्मू-कश्मीर में भारत सरकार मुफ्त राशन दे रही है। ये चीजें दुकानों में सामान्य कीमतों पर सुलभ हैं।

अगर पीओके में ऐसे ही हालात रहे तो भविष्य में वहां जनता सड़कों पर उतरकर बुलंद आवाज में आज़ादी की मांग कर सकती है। ऐसा हो भी चुका है। वहां 'कारगिल हाईवे खोल दो' जैसे नारे लग चुके हैं। पीओके में सरकार और फौज की लूटमार के कारण भविष्य में महंगाई का तूफान आना तय है। खजाने की हालत खस्ता होने के कारण अगले एक दशक तक तो सड़क, पानी, बिजली, अस्पताल जैसी सुविधाओं के बेहतर होने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। पीओके की आम जनता ही नहीं, सरकारी कर्मचारी तक गुजारा कर पाने में असमर्थ महसूस कर रहे हैं। लोगों के दिलो-दिमाग में आक्रोश का लावा पक रहा है। जिस दिन यह फूटेगा, पाकिस्तान की सरकार और फौज इसे नियंत्रित नहीं कर सकेंगी। उस स्थिति में इन लोगों को एक ही आवाज उठानी होगी- 'हमें भारत में मिलना है!' जब कभी यह तस्वीर उभरकर सामने आएगी तो पाकिस्तान के लिए हालात विस्फोटक होंगे। हालांकि हमारे लिए भी कुछ चुनौतियां होंगी। आज यह कहा जा सकता है कि भारत में हो रहे विकास कार्यों को देखकर पीओके के लोग खुद भारत के साथ रहने की मांग करेंगे, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज पीओके के लोग वे नहीं हैं, जो साठ-सत्तर के दशक तक हुआ करते थे। पाकिस्तान ने उस इलाके पर अवैध कब्जा करने के बाद आबादी की बसावट में बड़े बदलाव किए हैं। उसने (पाकिस्तानी) पंजाब से लोगों को लाकर पीओके में बसा दिया। इसके अलावा आतंकवादी संगठनों को वहां 'खास सुविधाएं' दीं। पाकिस्तान के फौजी और रेंजर्स भी वहां डेरा डाले हुए हैं। इन तीनों श्रेणियों के लोग भारत से बेहद नफरत करते हैं। इस तथ्य से हमें भलीभांति परिचित होना चाहिए। अगर एक भी व्यक्ति पाकिस्तान के पंजे से निकलकर यहां तिरंगे के साए में आना चाहता है तो सबसे पहले जरूरी है कि वह कट्टरता और नफरत का रास्ता छोड़े। जो व्यक्ति भारतीय संस्कृति और भारतीय आदर्शों को सच्चे हृदय से स्वीकार न करे, उसके लिए यहां कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

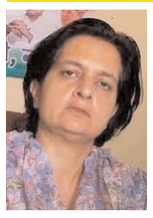

मेड़ता के किसान व पशु पालकों से सूचना मिली कि मेड़ता के श्री बलदेव पशु मेले से कृषि कार्य हेतु पशुओं को दूसरे राज्यों में ले जा रहे पशु पालकों को राजस्थान मध्यप्रदेश बॉर्डर के निम्बाहेड़ा व शंभूपुरा पुलिस चौकी में पुलिस प्रशासन ने रोका।

-ज्योति मिर्धा

राजस्थान प्रदेश के मेरे प्रिय परिवारजनों, आपका मुझसे जो जुड़ाव है वह मुझे सदैव ताक़त देने वाला होता है। मैं इस जुड़ाव को और अधिक मज़बूती प्रदान करने हेतु एवं संवाद को और अधिक सरल व बेहतर बनाने के लिए सोशल नेटवर्किंग प्लेटफ़ॉर्म को लॉन्च कर रहा हूँ।

-भजनलाल शर्मा

कांग्रेस वोटबैंक पॉलिटिक्स के दलदल में इतना धंसी हुई है कि उसे बाबा साहेब के संविधान की भी परवाह नहीं है।उन्होंने अपने मेनिफेस्टो में लिखा है कि आपकी संपत्ति का सर्वे करेंगे, हमारी माताओं-बहनों के पास जो मंगलसूत्र होता है उसका सर्वे करेंगे।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

मातृभूमि और भोगभूमि

स्वामी विवेकानंद लगभग चार वर्ष तक विदेश में रहे। वहां उन्होंने लोगों के मन में भारत के बारे में व्याप्त भ्रमों को दूर किया तथा हिंदू धर्म की विजय पताका सर्वत्र फहरायी। जब वे भारत लौटे तो उनके स्वागत के लिए रामेश्वरम के पास रामनाड के समुद्र तट पर बहुत बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। उनका जहाज जैसे ही दिखाई दिया, लोग उनकी जय-जयकार करने लगे। लेकिन स्वामी जी ने जहाज से उतरते ही सबसे पहले भूमि को दंडवत प्रणाम किया। फिर वे हाथों से धूल उठाकर अपने शरीर पर डालने लगे। जो लोग उनके स्वागत के लिए मालाएं आदि लेकर आये थे, वे हैरान रह गये। उन्होंने स्वामी जी से इसका कारण पूछा तो स्वामी जी ने कहा, 'मैं जिन देशों में रहकर आया हूं, वे सब भोगभूमियां हैं। वहां के अन्न-जल से मेरा शरीर दूषित हो गया है। अतः मैं अपनी मातृभूमि की मिट्टी शरीर पर डालकर उसे फिर से शुद्ध कर रहा हूं।'

सामयिक

कम मतदान में भी मोदी की किस्मत फिर चमकेगी?

आचार्य विष्णु हरि सरस्वती

मोबाइल : 9315206123

वोट प्रतिशत नीचे क्यों गिरा? क्या लोकतंत्र के प्रति लोगों में दिलचस्पी घट रही है? क्या यह राजनीतिक पार्टियों के लिए कोई खतरे की घंटी हैं? वोट प्रतिशत बढाने के सभी प्रचार और लुभावने नारे क्यों फैल गये। बडे-बडे शहरों में भी वोट प्रतिशत क्यों नहीं बढ पाये? बडे-बडे शहरों में तो पढे-लिखे लोग रहते हैं और जिन्हें सजग और लोकतंत्र की समृद्धि के प्रतीक समझा जाता है। गांवों और छोटे कस्बों में भी वोट प्रतिशत बढा क्यों नहीं? क्या चुनाव आयोग की पाबंदियों के कारण भी कम मतदान दर्ज हुए हैं? चुनाव आयोग की कई प्रकार की पाबंदियों पर अब विचार करने की जरूरत है, जैसे वाहनों का बेरोक-टोक आवाजाही, होटलों और अन्य जगहों पर ठहरने वाले लोगों पर टूटने वाले पुलिसिया कहर भी कम मतदान के कारण है?

क्या कम मतदान होना नरेन्द्र मोदी के लिए खतरे की घंटी है, क्या नरेन्द्र मोदी का चार सौ पार का सपना टूटने वाला है? क्या विपक्ष कम मतदान पर खुश होने का दावा कर सकता है? क्या लालू-मुलायम राजनीतिक धारा भी कम मतदान के दायरे में अपनी किस्मत चमकने की उम्मीद रख सकती हैं? मुस्लिम समुदाय की आक्रमक मतदान से क्या मजहबी, जातिवादी और क्षेत्रीय जमातों की किस्मत जाग सकती है? मुस्लिम बहुलतावादी क्षेत्रों में मत प्रतिशत ज्यादा होने से नरेन्द्र मोदी की किस्मत बंद होने के शोर में कितनी सच्चाई है? मुस्लिम समुदाय की तुलना में हिन्दुत्व आधारित मतदान की आक्रमकता कहां दम तोडी? क्या मोदी युग में राम लहर को इतिश्री मान लिया जाना चाहिए? क्या राम लहर अंदर ही अंदर अपना प्रभाव डाल रहा है? क्या अगले चरणों में मतदान का प्रतिशत बढ सकता है? निश्चित तौर पर वोट प्रतिशत का गिरना बहुत ही खतरनाक है और यह लोकतंत्र के लिए बहुत ही खतरनाक संकेत है। हमारा लोकतंत्र बहुत ही जींवत है और प्रगतिशील भी है, इसकी आंच किसी भी कीमत पर धीमी नहीं होनी चाहिए।

नरेन्द्र मोदी की छवि करिश्माई है। वर्ष 2014 में उनके पक्ष में लहर थी, जोश था और आक्रमता भी थी। फिर भी उन्हें प्रधानमंत्री बनने और भाजपा के सत्ता में आने की उम्मीद लोग नहीं देख रहे थे। नरेन्द्र मोदी पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आये। वर्ष 2014 की तुलना में 2019 में उनकी लहर की आंच थोडी धीमी थी। फिर भी 2014 की तुलना में और अधिक बहुमत के साथ वापसी की थी, तीन सौ का आंकडा भी पार किया था। 2024 में भी नरेन्द्र मोदी फिर एक बार करिश्मा कर सकते हैं। एक तर्क यह भी है कि विपक्ष बहुत ही कमजोर है, इसी कारण नरेन्द्र मोदी का हिन्दुत्व लहर आक्रकता के साथ नहीं बह रहा है। लेकिन नरेन्द्र मोदी कम मतदान के बीच में भी एक बार फिर करिश्मा कर सकते हैं और लगातार तीसरी बार सत्ता में आ सकते हैं। यह तर्क तब तक प्रभावशाली रहेगा जब तक चुनाव परिणाम नहीं आ जाते हैं। प्रथम चरण के मतदान के दौरान सिर्फ दो ही प्रदेश है जहां पर संतोषजनक मतदान हुए हैं। पहला त्रिपुरा है और दूसरा पश्चिम बंगाल है। दोनों राज्यों में कभी कम्युनिस्टों की सरकार हुआ करती थी और कम्युनिस्ट दावे करते थे कि उनके राज्यों में जन जागरूकता की पाठशाला हमेशा चलती रहती है और उनके वोटर बहुत ही गंभीर हैं, जनसंघर्ष चलता रहता है। लेकिन इन दोनों राज्यों से कम्युनिस्टों का संहार हो चुका है, उनकी कब्र खुद गयी, इन दोनों राज्यों में कम्युनिस्ट विरोधी राजनीतिक धारा का उदय हुआ और हवा बह गयी। त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है जबकि पश्चिम बंगाल में कम्युनिस्ट विरोधी ममता बनर्जी की सरकार है। राजनीति प्रेरक्षक यह मानते हैं कि त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में मतदान प्रतिशत के बढने से कम्युनिस्टों या फिर कांग्रेस को कोई लाभ नहीं होने वाला है। त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी की स्थिति बहुत ही अच्छी है, कम्युनिस्ट यहां पर बहुत ही कमजोर हैं। जहां पर पश्चिम बंगाल का प्रश्न है तो वहां पर बढे हुए मतदान से कम्युनिस्ट या कांग्रेस को खुश होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि पश्चिम बंगाल में मुकाबला ममता बनर्जी या फिर कम्युनिस्ट पार्टी या कांग्रेस के बीच नहीं है बल्कि मुकाबला ममता बनर्जी और भाजपा के बीच है।

पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में मतदान प्रतिशत ठीकठाक रहने का अर्थ क्या है और इसके पीछे कारण क्या है? सबसे बडी बात यह है कि इन दोनों प्रदेशों में चुनाव प्रचार और चुनावी संघर्ष बहुत ही जींवत है, कांटेदार है और आक्रामक भी है। खासकर पश्चिम बंगाल की चुनावी स्थिति बहुत ही खतरनाक है। जहां पर मुकाबला कांटेदार रहता है वहां पर मतदान प्रतिशत का बढना जरूरी हो जाता है। ऐसे भी पश्चिम बंगाल में अफवाहों का बाजार फैलता है, विदेशी ताकते सक्रिय रहती हैं। क्या यह सही नहीं है कि पश्चिम बंगाल में रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमानों की घुसपैठ और संरक्षण का प्रश्न चुनाव के दौरान तेज हुआ है। ममता बनर्जी सरकार पर भाजपा का आरोप है कि उसने रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमानों को संरक्षण देकर बसाया है, इस कारण पश्चिम बंगाल में जनसंख्या अनुपात तेजी के साथ बदला है और पश्चिम बंगाल के कई जिले रोहिंग्या-बांग्लादेशी मुसलमान बहुल हो गये हैं। इधर भाजपा ने सीएए कानून लागू कर एक सबल राष्टभक्ति का संदेश दिया है। इधर अन्य कानूनों का भी भाजपा का वायदा है। इसलिए पश्चिम बंगाल में मुस्लिम मतदाता डरे हुए हैं और आक्रमता के साथ मतदान कर रहे हैं। बांग्लादेशी और रोहिंग्या समर्थक मतदान का सीधा निशाना नरेन्द्र मोदी है, किसी न किसी प्रकार से भारत से नरेन्द्र मोदी की सरकार का संहार करना है।

सर्वाधिक मतदान प्रतिशत बिहार में गिरा है। यह बहुत ही विरोधाभाषी विषय है। बिहार में अखबारों और पत्र-पत्रिकाओं की सर्वाधिक बिक्री होती है, सर्वाधिक अखबार और पत्र-पत्रिकाएं बिहार में ही पढी जाती हैं। बिहार के संबंध में एक कहावत बहुत ही प्रचलित है कि वहां पर बच्चा पैदा लेता है तो वह राजनीति शास्त्र का मास्टर बन कर पैदा लेता है। इस कहावत का अर्थ है कि बिहार के लोग राजनीति के क्षेत्र में बहुत ही तेज होते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश पिछडों की राजनीतिक पराकाष्ठा के प्रतीक हैं। बिहार में लालू प्रसाद यादव और उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव ने पिछडों की राजनीति की गोलबंदी की थी और इनका माई समीकरण बहुत ही प्रभावशाली रहा है।

बिहार में जहां लालू अपनी उम्र और बीमारी से प्रभावहीन हैं वहीं उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव का उतराधिकारी अखिलेश यादव राजनीतिक अनुभव की कमी का मार झेल रहा है। बिहार में तेजस्वी यादव और उत्तर प्रदेश अखिलेश यादव मतदान प्रतिशत बढाने में असफल रहे। बिहार और उत्तर प्रदेश में अगर मतदान प्रतिशत 60 से उपर जाता तो फिर चुनावी तस्वीर इनकी काफी दबंग हो सकती थी।

वास्तव में इसके पीछे कारण बेरोजगारी भी है, पलायन है और चुनाव आयोग की बेमतलब पाबंदिया भी है, इसके साथ ही साथ पुलिसिया प्रताडना भी है। बेरोजगारी की समस्या प्राय सभी प्रदेशों में है। काम की खोज में एक-दूसरे प्रदेशों में पलायन जारी रहता है। खासकर मजदूर वर्ग के लिए पलायन एक जरूरी प्रक्रिया बन गयी है। मजदूर पलायन की वजह से मतदान के अधिकार से वंचित हो जाता है। मजदूरों का वोट कहीं होता है और उनका रोजगार कहीं होता है। आर्थिक समस्या के कारण मजदूर वर्ग मतदान करने के लिए अपने गृह क्षेत्र में पहुंच भी नहीं पाता है।

यह वैश्विक दौर है। युवा वर्ग वैश्विक दुनिया के सहचर है। अठारह साल के उपर के युवा मतदान के अधिकार रखते हैं पर उनकी शिक्षा कहीं और होती रहती है जहां पर वे अपने मतदान का प्रयोग नहीं कर पाते हैं। बडी-बडी कम्पनियों में काम करने वाले फोफेशनल वर्ग के लोगों की नौकरी कहीं और मतदान क्षेत्र कहीं होता है। देश के करोडों मतदाता विदेशों में नौकरी और व्यापार कर रहे हैं। ऐसे वर्ग मतदान कैसे करेंगे? सबसे बडी बात यह है कि चुनाव आयोग वाहनों के आवाजाही पर कई प्रकार के प्रतिबंध लगा कर रखता है, जिसके कारण मतदाता अपने मतदान केन्द्रों तक नहीं पहुंच पाता है। पुलिस अवैध कमाई के लिए होटलों और अन्य पनाह स्थलों पर छापे मार कर लोगों को परेशान करती है। चुनाव आयोग को कम मतदान के विषय पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है और मतदान प्रतिशत बढाने के चाकचौबंद प्रबंध करने की भी जरूरत है। सबसे बडी बात यह है कि कम मतदान का अर्थ यह नहीं है कि नरेन्द्र मोदी फिर से सत्ता वापसी नहीं कर पायेंगे।

नजरिया

आखिर क्यों धधक रही है पृथ्वी?

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041.

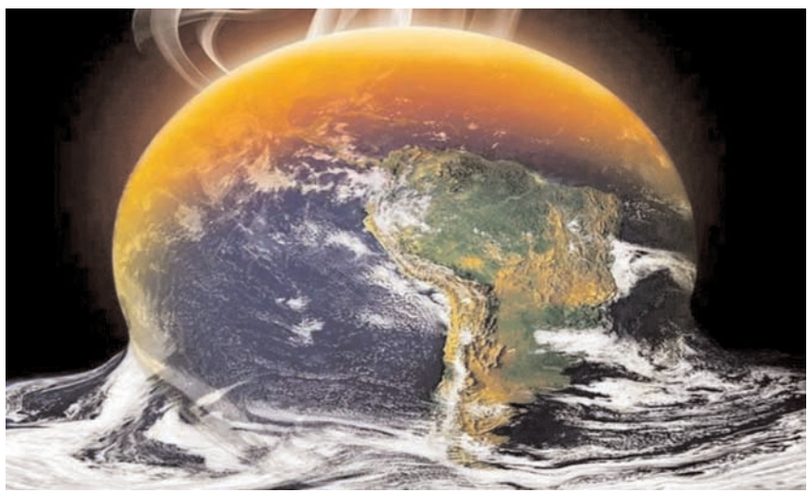

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं।

प्रकृति पिछले कुछ वर्षों से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत दे रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि बड़ी बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दल बदल कानून को मजबूत किया जाए, चुनाव में मुफ्त के उपहार खत्म हों : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। पूर्व उप राष्ट्रपति एम.वेंकैया नायडू ने मंगलवार को कहा कि नेताओं द्वारा 'बार-बार'दल बदलना 'परेशान करने वाला है।' उन्होंने दल बदल कानून को और मजबूत करने का आह्वान किया। पद्म पुरस्कार मिलने के बाद अपने आवास पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि चुनाव के दौरान कोष के प्रबंधन के बिना 'मुफ्त के उपहार' देने की घोषणा हानिकारक परिपाटी है और इस हतोत्साहित किया जाना चाहिए और लोगों को भी दलों एवं नेताओं के इन बड़े-बड़े वादों पर सवाल करना चाहिए। नायडू को सोमवार शाम राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्होंने कहा, दलबदल को हतोत्साहित किया जाना चाहिए। हमें दलबदल रोधी कानून को मजबूत करना चाहिए। पूर्व उप राष्ट्रपति ने कहा, अब, चिंता की बात यह है कि सार्वजनिक जीवन में मानकों में गिरावट आ रही है। राजनीतिक दलों में, लोग अक्सर अपनी पार्टियां बदलते हैं। नवीनतम प्रवृत्ति यह है कि लोग सुबह एक पार्टी में होते हैं और शाम को दूसरी पार्टी में शामिल हो जाते हैं और फिर वे अपने नेता की आलोचना करते हैं और दाएं-बायें बातें कहते हैं, उनमें से कुछ को टिकट मिलने में भी वरीयता मिलती है।

उन्होंने कहा, यह बहुत परेशान करने वाली प्रवृत्ति है और लोगों को इससे बचना चाहिए। लोगों को दलों में काम करना चाहिए और अपनी साख साबित करनी चाहिए। अगर कोई पार्टी बदलना चाहता है, तो उसे उस पार्टी द्वारा दिए गए पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और उसके बाद ही दूसरी पार्टी में शामिल होना चाहिए। कोई भी समझ सकता है कि आरोप लगा रहे हैं, लेकिन जो हो रहा है वह आरोप नहीं बल्कि अनुचित व्यवहार है। उन्होंने कहा कि एक और अस्वस्थ प्रवृत्ति यह है कि लोग दाएं-बाएं वादे कर रहे हैं, बिना यह सोचे कि पैसा कहां से आएगा, क्योंकि पैसा तो है नहीं।

पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा, राजनीतिक दलों को एक घोषणापत्र जारी करना चाहिए और दूसरा, राज्य की वित्तीय स्थिति के अनुकूल योजनाएं लानी चाहिए और तीसरा,उन्हें बताना चाहिए कि संसाधन कैसे जुटाए जाएंगे और फिर वे उसे कैसे खर्च करना चाहते हैं। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि कैसे सबकुछ मुफ्त में देना संभव है क्योंकि 'पैसे पेड़ पर नहीं उगते।' नायडू ने कहा कि राज्यों पर लाखों करोड़ रुपये का बोझ है फिर भी नेता सबकुछ मुफ्त में देने के वादे कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं मुफ्त के उपहार के खिलाफ हूं। मैं इसके पक्ष में हूं कि दो चीजें शिक्षा और स्वास्थ्य मुफ्त दी जानी चाहिए।

शिक्षण संस्थानों में धर्म, भाषा और 'ड्रेस कोड' में एकरूपता कारगर नहीं : शांतिश्री डी पंडित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति शांतिश्री डी पंडित ने कहा है कि भारत में धर्म, भाषा और 'ड्रेस कोड' में एकरूपता कारगर नहीं है क्योंकि यह देश केवल एक समुदाय विशेष के लिए नहीं है। यहां पीटीआई मुख्यालय पर एजेंसी के संपादकों के साथ बातचीत में पंडित ने कहा कि शिक्षण संस्थानों को वैयक्तिक पसंदों का सम्मान करना चाहिए और जो छात्राएं हिजाब पहनना चाहती हैं तो उन्हें इसकी अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं धर्म, जाति या भाषा में एकरूपता पर सहमत नहीं हूं। एक भाषा नहीं थोपी जानी चाहिए। अगर कुछ लोग कुछ राज्यों में इसे (आधिकारिक भाषा को) बदलकर हिंदी करना चाहते हैं तो वे कर सकते हैं। लेकिन दक्षिण में यह मुश्किल होगा। पूर्वी भारत में, यहां तक कि महाराष्ट्र में मुझे नहीं लगता कि हिंदी स्वीकार्य होगी।

कुलपति ने कहा, मैं कहूंगी कि हिंदी हो सकती है लेकिन एक ही भाषा नहीं थोपी जानी चाहिए। (जवाहरलाल) नेहरू और इंदिरा गांधी दोनों त्रि-भाषा फॉर्मूले की बात करते थे तो वे मूर्ख तो नहीं थे, क्योंकि भारत में, किसी भी रूप में एकरूपता काम नहीं करती है। वह हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाने और शिक्षण में माध्यम की मुख्य भाषा बनाने की मांगों के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा, भाषा संवेदनशील मुद्दा है। सभी को इसे लेकर सावधानी बरतनी चाहिए। पंडित ने कहा, मेरा मानना है कि सभी को बहुभाषी होना चाहिए क्योंकि भारत में हम सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाते हैं। सभी भाषाएं अच्छी हैं। मैं किसी भाषा के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन मेरे लिए मैं सबसे अधिक सहज अंग्रेजी में हूं।

शिक्षण संस्थानों में 'ड्रेस कोड' पर उनके विचार पूछे जाने पर पंडित ने कहा कि यह एक व्यक्तिगत पसंद होनी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं ड्रेस कोड के खिलाफ हूं। मुझे लगता है कि खुलापन होना चाहिए। अगर कोई हिजाब पहनना चाहता है, तो यह उसकी पसंद है और अगर कोई इसे नहीं पहनना चाहता है, तो उसे मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

जुलूस

गुवाहाटी में मंगलवार को हनुमान जयंती के अवसर पर भक्त जुलूस निकालते हुए।

प्रदर्शनी

अभिनेत्री रथिका और मॉडल हॉलिडे एडिट सूत्र प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर।

मलेशिया : प्रशिक्षण के दौरान दो सैन्य हेलीकॉप्टर आपस में टकराए, 10 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुआलालंपुर। मलेशियाई नौसेना ने कहा कि मंगलवार को एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान दो सैन्य हेलीकॉप्टर आपस में टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिससे उनमें सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। नौसेना ने एक संक्षिप्त बयान में बताया कि दुर्घटना उस समय हुई जब हेलीकॉप्टर नौसेना की 90वीं वर्षगांठ के जश्न की तैयारी के लिए उत्तरी पेराक राज्य में एक नौसैनिक अड्डे पर प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे थे। नौसेना की 90वीं वर्षगांठ अगले महीने है।

बयान के मुताबिक, दोनों हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। नौसेना ने बयान में बताया कि मृतकों की पहचान के लिए शव अस्पताल भेज दिये गए हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में कई हेलीकॉप्टर कम ऊंचाई पर 'फोर्मेशन' में उड़ रहे थे कि तभी एक हेलीकॉप्टर दूसरे विमान के 'रोटर' से टकरा गया, जिस वजह से दोनों हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गये। स्थानीय पुलिस के एक अधिकारी ने नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि वीडियो फुटेज बिल्कुल असली है। पुलिस के मुताबिक, हेलिकॉप्टर इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए कि उन्हें पहचाना नहीं जा सका। पुलिस ने बताया कि बचावकर्मियों ने शवों को ढूंढने के लिए मलबे में छानबीन भी की। पुलिस ने बताया कि मृतकों में तीन महिलाएं और सात पुरुष शामिल हैं।

रजनीकांत का कमाल, कुली के लिए वसूले 280 करोड़ !

मुंबई/एजेन्सी

रजनीकांत आज के दौर के सबसे महंगे स्टार बन गए हैं और ये कमाल उन्होंने 73 की उम्र में किया है। वे अपनी अगली फिल्म के लिए 280 करोड़ रुपए चार्ज कर रहे हैं और अगर उन्हें यह फीस आधिकारिक तौर पर मिल जाती है तो वे देश ही नहीं बल्कि एशिया के सबसे महंगे स्टार कहे जाएंगे। रजनीकांत सुप्रसिद्ध निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ एक फिल्म में काम कर रहे हैं, जिसके शीर्षक की घोषणा हाल ही में की गई है। कनगराज की रजनीकांत अभिनीत फिल्म का शीर्षक कुली है। फिल्म निर्माता ने खुलासा किया कि थलाइवर 171 को आधिकारिक तौर पर कुली कहा जाएगा और उन्होंने एक एक्शन से भरपूर टीजर भी शेयर किया। प्रशंसक यह देखने के लिए एक्साइटेड हैं कि रजनीकांत और लोकेश ने उनके लिए क्या नया परोसा है जो अमिताभ बच्चन की 1983 में आई फिल्म कुली से अलग होगा। फिल्म के लिए रजनीकांत की फीस का खुलासा हो गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म के लिए रजनीकांत ने बेहद मोटी रकम चार्ज की है।

प्राप्त समाचारों के अनुसार रजनीकांत ने फिल्म के लिए 260 करोड़ से 280 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं। यदि ये दावे सच हैं, तो यह तमिल सुपरस्टार को एशिया में सबसे अधिक भुगतान पाने वाला अभिनेता बना देगा। हालांकि अभी तक इस बात को लेकर निर्माताओं या अभिनेता की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। रजनीकांत की कुली जल्द ही फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है और फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज करने जा रहे हैं। फिल्म के संगीतकार के तौर पर अनिरुद्ध रविचंदर को चुना गया है। थलाइवर 171 में पृथ्वीराज सुकुमारन, रणवीर सिंह और पार्वती थिरुवोथु भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं, वहीं विजय सेतुपति कथित तौर पर थलाइवर 171 में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए निर्देशक लोकेश के साथ बातचीत कर रहे हैं। इसके अलावा, यह भी कहा जा रहा है कि शाहरुख खान इस फिल्म में एक कैमियो भूमिका निभा सकते हैं।

वहीं दूसरी ओर, रजनीकांत थलाइवर 170 पर भी काम कर रहे हैं, जिसका आधिकारिक नाम वेट्टैयान है। फिल्म का निर्देशन टी जे ग्रानवेल कर रहे हैं। इसमें अमिताभ बच्चन, फहद फासिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, रितिका सिंह, दुशारा विजयन, किशोर और रोहिणी जैसे कलाकारों के साथ रजनीकांत नायक की भूमिका में हैं। रजनीकांत और अमिताभ बच्चन तीन दशक से ज्यादा समय बाद एक साथ सिनेमाई परदे पर अपना जलवा बिखेरते नजर आएंगे। इसका निर्माण लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले सुबास्करन अल्लिराजाह द्वारा किया जा रहा है। यह फिल्म इसी वर्ष प्रदर्शित होगी।

रवि किशन के साथ काम करना एक्टिंग इंस्टीट्यूट में एडमिशन लेने जैसा : नायला ग्रेवाल

मुंबई/एजेन्सी

स्ट्रीमिंग सीरीज 'मामला लीगल है' में अपने काम के लिए काफी पॉजिटिव फीडबैक पाने वाली एक्ट्रेस नायला ग्रेवाल ने कहा कि रवि किशन, तन्वी आजमी और बृजेंद्र काला जैसे कलाकारों के साथ काम करना एक्टिंग इंस्टीट्यूट में शामिल होने जाने जैसा महसूस हुआ। रवि किशन, तन्वी आजमी, यशपाल शर्मा, विवेक मुशरान और बृजेंद्र काला जैसे अनुभवी अभिनेताओं से घिरी नायला ने खुद को टैलेंट और ज्ञान की दुनिया में पाया।

एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्हें को-एक्टर्स के साथ हर बातचीत में कुछ नया सीखने को मिला। उनके टैलेंट को निखारा और इंडस्ट्री में उनके एक्सपीरियंस को बेहतर बनाया। नायला ने कहा, '''मामला लीगल है' पर काम करना मेरे लिए शानदार एक्सपीरियंस रहा। ऐसे कलाकारों के साथ काम करना एक्टिंग इंस्टीट्यूट में जाने जैसा था। मैंने हर एक से बहुत कुछ सीखा है, और उनके मार्गदर्शन का मुझ पर गहरा प्रभाव पड़ा है।'' सीरीज में नायला एक वकील की भूमिका में हैं। नायला ने कहा, इतने प्रतिभाशाली कलाकारों का हिस्सा बनकर मैं खुद को भाग्यशाली महसूस करती हूं। उन्होंने कहा, 'मामला लीगल है' में एक वकील की भूमिका निभाने से मुझे अपने अंदर छिपे नए पहलुओं को जानने का मौका मिला और मैं इस तरह की सीरीज में काम पाने का मौका पाकर आभारी हूं।

'दे दे प्यार दे' में अजय देवगन के साथ नजर आएंगे अनिल कपूर

मुंबई/एजेन्सी

साल 2019 में अजय देवगन, तब्बू और रकुल प्रीत सिंह की कॉमेडी फिल्म 'दे दे प्यार दे' रिलीज हुई थी। लव रंजन के प्रोडक्शन में बनी इस कॉमेडी फिल्म ने दुनियाभर में करीब 143 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। मेकर्स ने फिल्म का सीक्वल बनाने का फैसला किया है। यह जून से फ्लोर पर जाने वाली है। इस बीच कास्टिंग को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक 'दे दे प्यार दे 2' में अजय के साथ दिग्गज एक्टर अनिल कपूर भी होंगे। अनिल को जब फिल्म का कॉन्सेप्ट बताया गया तो उन्होंने तुरंत रजामंदी दे दी। कहा जा रहा है कि हंसाने के मामले में ये फिल्म पहले पार्ट से भी आगे होगी। कहानी के केंद्र में अजय और अनिल की भिड़ंत होगी। पहले पार्ट में अजय रिश्ते के लिए परिवार को मनाते हैं। सीक्वल में अजय, रकुल के किरदार आयेशा के परिवार को मनाने की कोशिश करेंगे। अनिल फिल्म में आयेशा के पिता बनेंगे। उल्लेखनीय है कि अनिल की पिछली दो फिल्में 'एनिमल' और 'फाइटर' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार बिजनेस किया। अनिल में कुछ ऐसी बात है कि लोग आज भी उन्हें पसंद करते हैं। 'दे दे प्यार दे' के डायरेक्टर अकीव अली थे, जबकि दूसरे पार्ट को अंशुल शर्मा डायरेक्ट करेंगे। शूटिंग लंदन में शुरू होने वाली है। शूटिंग इसी साल पूरी हो जाएगी। मेकर्स इसे 1 मई 2025 को रिलीज करना चाहते हैं। अगर अजय की बात करें तो इस साल उनकी दो फिल्में शैतान और मैदान रिलीज हो चुकी हैं। फिलहाल वे 'सिंघम अगेन' और 'रेड 2' की शूटिंग में बिजी हैं, जो 2024 में ही रिलीज होंगी।

डीपफेक का शिकार हुए अल्लू अर्जुन, कांग्रेस का प्रचार करते दिखे

मुंबई/एजेन्सी

पिछले काफी समय से भारत में डीपफेक का मुद्दा गंभीर होता जा रहा है। कई सितारे डीपफेक वीडियो का शिकार हो चुके हैं और अभी भी यह थमा नहीं है। हिन्दी सिनेमा के दिग्गज सितारे आमिर खान और रणवीर सिंह भी इससे बच नहीं पाए, जिसके बाद दोनों ने इस मामले में ऋखठ दर्ज कराई थी। और अब इस मामले में दक्षिण भारत के सुपर सितारे अल्लू अर्जुन का नाम भी जुड़ गया है। प्राप्त समाचारों के अनुसार पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसको लेकर डीपफेक की बात कही जा रही है। लोकसभा चुनाव 2024 का मतदान चरण शुरू हो चुका है और नेताओं की रैलियों में सेलिब्रिटीज के प्रचार के वीडियो सामने आ रहे हैं। वहीं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डीपफेक वीडियोज की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। कुछ मशहूर हस्तियों के भी वीडियो सामने आए हैं, जिनमें कि दावा किया जा रहा है कि वे चुनाव प्रचार कर रहे हैं। चुनाव के दौरान जनता को गुमराह करने के लिए इस तरीके के हथकंडों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

अब अभिनेता अल्लू अर्जुन की एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसको लेकर कहा जा रहा है कि वह कांग्रेस के लिए चुनाव का प्रचार कर रहे हैं। हालांकि बाद में पता चल गया कि इस वीडियो को -ख की मदद से बनाया गया था और यह फेक है।

इस वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि अल्लू अर्जुन एक खुली कार में खड़े हैं। उन्होंने ऑफ व्हाइट रंग का सूट पहना है और गले में कांग्रेस के प्रचार का निशान है। वह लोगों के सामने हाथ हिलाते हैं और बगल में उनकी पत्नी स्नेहा खड़ी हैं। अल्लू अर्जुन के आसपास और भी कई लोग नजर आ रहे हैं। इसके अलावा उस रोड शो में भी भीड़ दिख रही है। वीडियो के कैप्शन में लिखा है, 'अल्लू अर्जुन कांग्रेस के प्रचार के लिए मैदान में हैं।' ज्ञातव्य है कि अल्लू अर्जुन कांग्रेस के लिए प्रचार नहीं कर रहे हैं, बल्कि यह वीडियो न्यूयॉर्क का है। साल 2022 में अल्लू अर्जुन इंडिया डे परेड में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए न्यूयॉर्क गए थे। वहां अल्लू अर्जुन को ग्रैंड मार्शल की उपाधि से सम्मानित किया गया था। अल्लू अर्जुन ने खुद भी वहां से कई सारे वीडियो शेयर किए थे। सिर्फ इतना ही नहीं न्यूयॉर्क में कपल ने भारत की आजादी के 75 साल पूरा होने का जश्न भी मनाया था। इसका वीडियो भी उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था।

अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी फिल्म पुष्पा-2: द रूल को पूरा करने में जुटे हुए हैं। कुछ समय पहले ही इस फिल्म का टीजर और पोस्टर भी जारी किया गया था। फिल्म की शूटिंग फाइनल स्टेज में है और यह 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ श्रीवल्ली यानि रश्मिका मंदाना भी नजर आने वाली हैं।

'एनिमल' से ज्यादा जंगली होगा सीक्वल का हीरो

मुंबई/एजेन्सी

अर्जुन रेड्डी फेम संदीप रेड्डी वांगा एनिमल के बाद से ही लगातार सुर्खियों में हैं। जहां एक ओर तमाम लोग उनके निर्देशन को सराह रहे हैं तो वहीं कई ऐसे भी हैं जिन्होंने उनकी फिल्म को नकारा है। ज्यादातर लोगों की लिस्ट में वही लोग शामिल हैं जिन्होंने एनिमल की आलोचना की है, क्योंकि फिल्म में कई ऐसे सीन्स हैं जो न तो परिवार और न ही बच्चों के सामने आप इसे देख सकते हैं। तमाम आलोचनाओं के बावजूद भी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की है और यंगस्टर्स खासकर इसके दीवाने हैं। फिल्म के विवादों में होने के बावजूद भी संदीप रेड्डी वांगा अब इसके सीक्वल की तैयारी में हैं।

संदीप रेड्डी वांगा ने हाल ही में एक अवॉर्ड शो में साझा किया है कि वे साल 2026 में रणबीर कपूर-स्टारर 'एनिमल' के सीक्वल पर काम करेंगे। संदीप रेड्डी वांगा ने हाल ही में एक पुरस्कार समारोह में भाग लिया, जहां उन्हें एक पुरस्कार भी मिला। पुरस्कार स्वीकार करते समय मेजबानों ने उनसे रणबीर कपूर

स्टारर 'एनिमल' के सीक्वल, 'एनिमल पार्क' के बारे में कुछ डिटेल देने के लिए कहा, तभी उन्होंने बताया कि सीक्वल फिल्म 2026 में फ्लोर पर जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि 'एनिमल पार्क' 'एनिमल' से बड़ा और जंगली होगा, ऐसा दावा वो पहले भी कर चुके हैं। जब उनसे संदीप रेड्डी सिनेमैटिक यूनिवर्स के बारे में पूछा गया, जहां रणबीर कपूर, शाहिद कपूर, विजय देवरकोंडा और प्रभास स्क्रीन साझा कर सकते हैं, तो उन्होंने कहा कि हालांकि उन्होंने इसके बारे में कभी नहीं सोचा था, लेकिन यह दिलचस्प लगता है। उन्होंने यह भी साझा किया कि अगर 'एनिमल' तमिल में बनाई जाती तो सूर्या इसके लिए सबसे उपयुक्त होते। वांगा की अगली फिल्म प्रभास के साथ 'स्पिरिट' होगी जिसमें रश्मिका मंदाना उनके साथ होंगी। साथ ही बताया जा रहा है कि वो एक प्रोजेक्ट के लिए अल्लू अर्जुन के साथ भी काम करेंगे।

हैदराबाद में 35 जगहों पर होगी दिव्या खोसला स्टारर फिल्म 'हीरो हीरोइन' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस दिव्या खोसला अपकमिंग फिल्म 'हीरो हीरोइन' के जरिए तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में 35 लोकेशन पर की जाएगी। इन लोकेशन्स में आउटडोर-इनडोर सेटिंग्स के साथ-साथ असली लोकेशन भी शामिल हैं। सुरेश कृष्णा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एक्टर परेश रावल भी निर्देशक की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने कहा, 'हीरो हीरोइन' के साथ, हमारा मकसद सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने की अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखना और नयापन लाना है।

सुरेश कृष्णा और मैंने कई घंटों तक विचार-मंथन किए, और यह सुनिश्चित किया कि हर सांस्कृतिक बारीकियों को सही ढंग से चित्रित किया जाए।'' उन्होंने कहा, फिल्म में डांस सीक्वेंस एक ग्लैमरस प्रोजेक्ट होगा, जो हैदराबाद की प्रतिष्ठित पृष्ठभूमि पर आधारित होगा। 'हीरो हीरोइन' की शूटिंग 10 जून से शुरू होने वाली है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | बुधवार | 24-04-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

मनुष्य के व्यक्तित्व का प्रभाव उसकी वाणी में झलकता है। जिस तरह संगीत वाद्ययंत्र की पहचान उसके स्वर से होती,उसी तरह व्यक्ति की पहचान उसकी वाणी से होती है। कर्मसत्ता ने हमें दो कान और एक मुंह दिया है ताकि सुने ज्यादा और बोले कम। ये कभी न भूले कि बोलना मुंह का पार्ट टाइम काम है, मुंह का मुख्य काम खाना खाना और पानी पीना है। लेकिन लोगों ने मुंह का मुख्य काम बोलने का बना दिया है। भाषा की सबसे बड़ी परेशानी ये है कि हम जो बात दूसरों तक पहुंचाना चाहते हैं वो सामने वाले व्यक्ति तक उसी स्वरूप में उसी अवस्था में नहीं पहुंच पाती।

हनुमान जयंती पर आयोजित हुई भक्ति संध्या

सेलम/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। यहाँ मंगलवार को हनुमान जयंती के अवसर पर सोना कॉलेज के समीप स्थित हनुमान मंदिर में सुंदरकांड भक्त मंडल द्वारा भव्य भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुंदरकांड का पाठ वाचन के साथ साथ भजन मंडल द्वारा अनेक भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में पुरुष व महिला श्रद्धालु उपस्थित थे।

दादागुरु पूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा की सदस्याओं द्वारा मुनिश्री मलयप्रभसागरजी व साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजी की निश्रा में आराधना भवन में पूनम शाश्वत चैत्रमासिक ओली के अवसर पर दादागुरु देव की पूजन विधि विधान के साथ लाभार्थी पुष्पादेवी झाबक एवं निर्मलादेवी भांडावत परिवार के सौजन्य से सम्पन्न हुई। परिषद की अध्यक्ष आरती जैन ने सभी का स्वागत किया ।

चैत्र पूनम की आराधना में उमड़े श्रद्धालु

कोयम्बटूर/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। शहर के आरएस पुरम के पोनरांगम रोड स्थित शंकेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर में चैत्र पूनम के मौके पर 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ एवं पद्मावती देवी की पूनम आराधना और पूजन का आयोजन किया गया। इस मौके पर सबका स्वागत मंदिर के अध्यक्ष भानु जैन ने किया। संचालन सचिव हंसमुख जैन ने किया। इस आराधना कार्यक्रम में जैन समाज के अनेक महिलाओं ने भाग लिया।

तिरुपुर में मां दुर्गा भक्त मंडल ने मनाया हनुमान जन्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। शहर के मां दुर्गा भक्त मंडल ने 16वां हनुमान जन्मोत्सव पण्डिआर कल्याण मंडपम में धूमधाम से मनाया। मंगलवार को सुबह सुन्दरकांड का पाठ किया तथा दोपहर में सुनील दाधीच के मंत्रोच्चारण के साथ गणेश वंदना की तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

भजन संध्या में कोलकाता से आये गायक कलाकार संजय शर्मा ने अपने मधुर वाणी से बालाजी भजनों की प्रस्तुतिया दी। उसके उपरांत महाआरती एवं महाप्रसाद का आयोजन किया जिसमें अध्यक्ष अध्यक्ष अशोक शर्मा, उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, मूलचंद शर्मा, सत्यनारायण अग्रवाल, नवीनकुमार शर्मा, मदन जोशी, नन्दकिशोर पारीक, मनोज व्यास, सुनील जोशी, महावीरप्रसाद शर्मा, अनिल शर्मा, लीलाधर शर्मा, हीरालाल सरोज, भागीरथ गुलेरिया, सागर कश्यप सहित बड़ी संख्या में पुरुष व महिला श्रद्धालु उपस्थित थे। हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर संस्था की ओर से जन्मोत्सव के मौके पर बधाइयां बांटी गई। अध्यक्ष अशोक शर्मा ने सभी को धन्यवाद दिया।

'जीवन में तप रूपी अमृत आने पर जीवन अमर हो जाता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बसनवगुड़ी स्थित जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में मुनिश्री मलयप्रभसागरजी, मुकुलप्रभसागरजी व साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजी ने चैत्र पूर्णिमा की आराधना करवाई गई। आराधना के दौरान परमात्मा आदिनाथ और उनके प्रथम गणधर पुण्डरीक स्वामी की विशेष पूजा, चैत्यवन्दन पूजा की गई। संतश्री ने बताया कि आज ही के दिन पुण्डरीक स्वामी के साथ पांच करोड़ मुनि भगवन्त शत्रुंजय गिरिराज से मोक्ष पधारे थे। नवपद की आराधना के अन्तिम दिवस तप की आराधना की जाती है। तप जीवन का अमृत है। जैसे

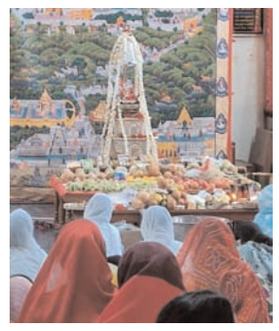

अमृत मिलने पर मृत्यु का डर समाप्त हो जाता है वैसे ही हमारे जीवन में तप रूपी अमृत आने पर जीवन अमर हो जाता है। दूध को तपाने से मलाई, अन्न को तपाने से स्वादिष्ट भोजन, सोने को तपाने से आभूषण बन जाता है, वैसे ही शरीर को तप की अग्नि द्वारा तपाने से हमारे कर्म रूपी मैल निकलने लगता है।

संतश्री ने कहा कि परमात्मा महावीर जानते थे कि उन्हें उसी भव में मोक्ष जाना है। फिर भी घाती कर्मों का क्षय करने के लिए दीक्षा लेकर एकमात्र तप धर्म का ही सहारा लिया। तप की साधना तभी फलीभूत हुई और सभी घाती कर्मों का क्षय कर केवलज्ञान को प्राप्त किया। तप चारित्र को चमकाने वाला है। कर्म निर्जरा कराने वाला है। जीव मात्र तप की आराधना कर सके इसलिए ऐसा तप अनशन, ऊणोदरी, उपवास आदि बारह प्रकार का बताया गया है। जैन शासन में नवपद का अनूठा स्थान है। बाकी बहुत सारे पर्व वर्ष में केवल एक बार आते है जबकि यह ओली पर्व वर्ष में दो बार आते है। संसार से बाहर निकलना हो तो नवपद की साधना से निकला जा सकता है।

प्रकृति के साथ जीने में ही परम आनंद है : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

कलबुर्गी/दक्षिण भारत। शहर के पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर संघ से विहार कर बीजापुर की ओर अग्रसर आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि हम भारतवासियों को अपने दायरों को पार करते हुए अपने अवरणों से मुक्त हो कर एक दूसरे के निकट आएं।अब हालात ये बने है कि एक परिवार के लोग भी एक ही छत के नीचे रहते हुए भी दूर दूर रहने लगे हैं। अपने कमरों और घरौंदों से बाहर निकल कर हमें परिचित अपरिचित सबसे प्रसन्नता से मिलना जुलना रहना चाहिए। आज के दौर में आपाधापी बढ़ गई है, अब सब कुछ बदलने पर उत्तारू है। समाज, प्रकृति और व्यक्ति के बीच पारस्परिकता और समरसता को नजर लग गई है। प्रतिस्पर्धा, लोभ-स्वार्थ और हिंसा के बढ़ते अवसर मानवीय मूल्यों को धराशायी कर रहे है। हम भूल गए कि मानव ही नहीं अपितु प्रकृति के साथ जीने में ही आनंद है।

राजस्थानी ओलम्पियाड 2024 का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एशोसिएशन तमिलनाडु द्वारा राजस्थानी ओलम्पियाड के बारे में विचार-विमर्श के लिए आरम्बाकम स्थित वैश्णव कालेज के कार्यालय में सोमवार को बैठक का आयोजन किया गया। अध्यक्ष प्रवीण टाटिया ने सभी का स्वागत किया।

महासचिव हेमंत दुगड ने कहा कि चेन्नई के प्रवासी राजस्थानी बन्धुओं का आपसी मिलन, परस्पर सहयोग और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने तथा युवा शक्ति, महिला शक्ति को जोड़ने के लिए एसोसिएशन द्वारा राजस्थानी ओलम्पियाड का आयोजन किया जा रहा है।

ओलम्पियाड चेयरमैन अशोककुमार मूंदड़ा ने बताया कि बैडमिंटन, बॉक्स क्रिकेट, केरम, बॉलिंग, वॉलीबॉल आईपीएल तर्ज़ पर खेला जाएगा साथ ही एथलेटिक्स आदि विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। सह-चेयरमैन अनुराग माहेश्वरी ने कहा कि इस आयोजन में चेन्नई की सभी राजस्थानी संस्थाएं भाग ले सकती है। हर वर्ग में उम्र के आधार पर अलग अलग श्रेणियों में प्रतियोगिता रखी जाएगी।

चयनित अध्यक्ष नरेंद्र श्रीश्रीमाल, उपाध्यक्ष विजय गोयल, सहचेयरमैन राधेश्याम मूंदड़ा, मदन राठी, संयोजक अजय नाहर, सलाहकार् मोहनलाल बजाज, प्रेस व मीडिया चेयरमैन ज्ञानचंद कोठारी, विनोद जैन, किशन झंवर, रेखा सिंघी, ममता अग्रवाल आदि ने अपने अपने सुझाव दिए। अंत में महासचिव हेमंत दुगड ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

सीनेट की मंजूरी मिलने के बाद यूक्रेन को वायु रक्षा हथियार, तोपखाने भेजेंगे बाइडन : जेलेंस्की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को सोमवार को आश्वासन दिया कि एक बड़े राष्ट्रीय सुरक्षा सहायता पैकेज को लेकर सीनेट से मंजूरी मिलने के बाद अमेरिका अत्यंत आवश्यक वायु रक्षा हथियार भेजेगा। इस पैकेज में यूक्रेन के लिए 61 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रावधान है।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए कहा कि बाइडन ने उन्हें यह भी आश्वासन दिया कि इस सहायता पैकेज में तोपें भी शामिल होंगी।

मतदान के लिए प्रेरित करने वाले दो गीत वीडियो बनाएं है महेन्द्र मुणोत ने

मतदान जागरुकता में हमेशा अग्रणी रहते हैं मुणोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हमेशा अपने अनूठे व मानवसेवी कार्यों से पहचाने जाने वाले मारुति मेडिकल के महेन्द्र मुणोत ने एक बार फिर आनंद सिनेमाज बैनर के तले मतदान जागरुकता के लिए दो वीडियो गीत बनाए हैं। मुणोत ने बताया कि नागरिकों से लोकसभा चुनाव को गंभीरता से लेने और बिना किसी स्वार्थ के, नैतिक और तर्कसंगत मतदान करने का आह्वान करने के लिए इन गीतों व वीडियो का निर्माण किया है तथा जगह जगह प्रदर्शित भी किया जा रहा है ।

इस गाने का निर्देशन फिल्म निर्देशक बीपी हरिहरन ने, गीत लिखे हैं लेमन परसुराम ने व संगीत दिया है एटी.रवीश ने। अनेक कलाकारों की मदद से तैयार इस वीडियो में लोगों को मतदान के लिए जागरुक किया गया है साथ ही लोगों को अपने अपने मतदान केन्द्र पर जाकर मत करने के लिए प्रेरित भी किया है। मुणोत ने इसके अलावा बड़े साइज के पोस्टर बनाकर शहर के विभिन्न मुख्य सड़कों के किनारे चस्पा भी करवाएं है ताकि लोगों में मतदान के प्रति जागरुकता पैदा हो।

महावीर जन्मकल्याणक के सांध्यकालीन कार्यक्रम में गूंजा 'भगवान ऋषभदेव से महावीर तक' की यात्रा का जयघोष

जैन युवा संगठन ने झांकी विजेताओं का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु जैन युवा संगठन के तत्वावधान में रविवार को आयोजित भगवान महावीर स्वामी में 2623वें जन्मकल्याणक समारोह में शाम को फ्रीडम पार्क में 'भगवान ऋषभ देव से महावीर तक' एक भक्तिमय सांस्कृतिक प्रस्तुति का आयोजन किया गया जिसमें अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए तथा अनेक विजेताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष महेंद्र बागरेचा, उपाध्यक्ष महावीर मुणोत, मंत्री मदन मुणोत, सहमंत्री विशाल गुगलिया, कोषाध्यक्ष मुकेश सुराणा के नेतृत्व में सायंकालीन भक्ति संध्या के चेयरमैन अमित सिंघवी, परामर्शक मीठालाल पावेचा व समन्वयक विकास पोरवाल द्वारा द्वीप प्रज्वलन व नवकार महामंत्र के जाप से हुई। मंत्री मदन मुणोत ने रविवार सुबह सम्पन्न हुए भगवान महावीर कल्याणक महोत्सव की जानकारी देते हुए झांकियों विजेताओं का सम्मान करवाया।

सायंकालीन भक्ति संध्या के चेयरमैन अमित सिंघवी ने उपस्थित सभी जनों को महावीर जन्मकल्याणक की शुभकामनाएं दी तथा सभी कलाकारों का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि वीर जन्मोत्सव उपलक्ष्य पर प्रभु ऋषभदेव से महावीर तक विषयक कार्यक्रम में जैन समाज के चुने हुए 12 कलाकारों ने संगीत साधना से प्रभु भक्ति की तथा उपस्थित जनों को विभिन्न माध्यम से प्रभु ऋषभदेव से लेकर प्रभु महावीर तक के जिनशासन की मनमोहक व ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी। इस मौके कर कलाकारों ने 24 तीर्थंकर भगवान के साथ उनके लांछन प्रतीक के रूप में भव्य सजावट के साथ विशेष प्रस्तुति दी जिसे सभी ने खूब सराहा। संचालक मीठालाल पावेचा ने 24 तीर्थंकरों के पंच कल्याणक च्यवन, जन्मकल्याण, दीक्षाकल्याण, केवलज्ञान और मोक्ष कल्याणक की संक्षिप्त जानकारी आडियो वीडियों के माध्यम से उपस्थित जनों को दी जो कि बहुत ही प्रभावी साबित हुई। सभी कलाकारों ने अलग अलग तरह के तीर्थंकरों के प्रति अपने भावों को प्रस्तुत किया। भक्ति संध्या के चेयरमैन अमित सिंघवी के नेतृत्व में सहचेयरमैन अनुराग ललवानी, दीपेश धोका, विनय गाँधी आदि सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

ब्रिटेन की संसद ने रवांडा निर्वासन विधेयक को मंजूरी दी

लंदन। कुछ प्रवासियों को रवांडा निर्वासित करने के ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के प्रयासों को अंतत: सोमवार देर रात संसद की मंजूरी मिल गई। इससे कुछ घंटे पहले ही सुनक ने विश्वास जताया था कि जुलाई में रवांडा के प्रवासियों को ले जाने वाली निर्वासन उड़ान शुरू होंगी। सुनक ने मंगलवार को अपनी सरकार के उक्त विवादास्पद 'रवांडा सुरक्षा विधेयक' को संसद की मंजूरी मिलने का स्वागत किया और संकल्प जताया कि अवैध प्रवासियों को उड़ानों से अफ्रीकी देश निर्वासित करने के रास्ते में कोई अड़चन नहीं आएगी। उन्होंने विधेयक को ऐतिहासिक करार दिया और इसे वैश्विक पलायन को संभालने में बुनियादी बदलाव लाने वाला बताया। उन्होंने एक बयान में कहा, इस ऐतिहासिक विधेयक का पारित होना न केवल एक कदम आगे बढ़ाना है बल्कि विस्थापन पर वैश्विक समीकरण में मूलभूत बदलाव करने वाला है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.